हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 44 ● भिलाई, बुधवार 02 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एसआईआर के बाद 1.45 करोड़ मतदाताओं में 47.7 लाख नाम कट

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद चुनाव आयोग ने मसौदा मतदाता सूची जारी कर दी। पुनरीक्षण के दौरान राजधानी के करीब 1.47 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 47.58 लाख नाम मसौदा सूची से बाहर किए गए हैं। इसके बाद दिल्ली में करीब 97.51 लाख मतदाताओं के नाम मसौदा सूची में शामिल हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि मसौदा सूची पर मतदाताओं से प्राप्त दावों और आपत्तियों की जांच की जाएगी। नोटिस जारी करने और उनके निपटारे की प्रक्रिया 29 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद 4 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया 30 जून से 17 अगस्त तक चली। इस दौरान करीब 97.51 लाख मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त हुए, जो राजधानी के कुल मतदाताओं का लगभग 67 प्रतिशत है। वहीं करीब 47.58 लाख मतदाताओं के प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए।

बीमा कंपनी का अधिकारी बनकर महिला पुलिस निरीक्षक से 5.4 लाख की साइबर ठगी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में बीमा पॉलिसी के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने खुद को बीमा कंपनी का अधिकारी बताकर 45 वर्षीय महिला पुलिस निरीक्षक को झांसे में लिया और करीब 5.4 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पहले महिला को उसकी बीमा पॉलिसियों से जुड़ी सही जानकारी देकर विश्वास में लिया और बाद में अलग-अलग बहानों से उसके खाते से रकम स्थानांतरित करा ली। रिपोर्ट के मुताबिक, ठगी की शुरुआत 11 अगस्त को एक अनजान नंबर से आए फोन के जरिए हुई। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को बीमा कंपनी के दिल्ली कार्यालय का कर्मचारी बताया। उसने महिला को उसकी दो बीमा पॉलिसियों की जानकारी दी। जालसाज ने दावा किया कि किसी एजेंट ने महिला की पॉलिसी की 80 प्रतिशत राशि के लिए दावा किया है। पॉलिसी से संबंधित जानकारी सही बताए जाने के कारण महिला को उस व्यक्ति पर भरोसा हो गया।

श्रद्धालुओं की पिकअप को माजदा ने मारी टक्कर, 2 की मौत 12 से ज्यादा घायल

सारंगढ़। जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसा नगर के रायगढ़ रोड स्थित कुशल नगर के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार माजदा वाहन ने श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, पिकअप में 25 से अधिक श्रद्धालु सवार थे। सभी महासमुंद जिले के बागबाहरा क्षेत्र के पटेरापाली, गाड़ाघाट और बागबाहरा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। श्रद्धालु चंद्रपुर स्थित प्रसिद्ध मां चंद्रहासिनी देवी मंदिर में दर्शन करने के बाद वापस अपने घर लौट रहे थे।

शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में मोदी की हुंकार

पीएम मोदी ने शहबाज के सामने उठाया आतंकवाद का मुद्दा

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित 26वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने एससीओ में भारत के मुख्य विज़न के बारे में बताया, जो सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर के तीन बुनियादी पिलर्स के आस-पास है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अब इन तीन पिलर्स को 'विजन' से आगे ले जाकर 'ठोस नतीजों' की ओर ले जाने का समय है। उन्होंने 10-सदस्यीय समूह से बातचीत और सहयोग की अपनी 25 साल की नींव को ठोस नतीजों में बदलने की अपील की, और सदस्य देशों से ग्लोबल अनिश्चितता और अस्थिरता के बीच अपनी साझी जगह को साझा मौकों में बदलने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि, संगठन 25 सालों के इतिहास में हमने सहयोग के लिए एक मजबूत नींव तैयार की है। अब अगले 25 सालों में हमारा लक्ष्य इस सहयोग को ठोस नतीजों में बदलना होना चाहिए। उन्होंने कहा, आज जब दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता से गुजर रही है, तो हमें अपनी साझा जगह को साझा मौकों में बदलना होगा। अपनी कोशिशों से, हमें अपने लोगों की जिंदगी में अच्छे बदलाव लाने होंगे। पीएम मोदी ने एससीओ के सदस्य देशों से आतंकवाद और उसकी वित्तपोषण के खिलाफ

मिलकर काम करने की अपील की। सबसे दिलचस्प बात यह है कि पीएम मोदी जब यह मुद्दा उठाया तब हॉल में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। ?प्रधानमंत्री ने लड़ाई-झगड़े की जगह बातचीत पर भी जोर दिया और कहा कि कनेक्टिविटी प्लान में संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी देशों से आतंकवाद के मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की भी अपील की। किर्गिस्तान के स्वतंत्रता दिवस और वर्ल्ड नोमैड गेम्स का जिक्र करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि उद्घाटन समारोह में देश की समृद्ध संस्कृति और साझी विरासत की झलक देखने को मिली। उन्होंने कहा, यह साझी विरासत और आपसी जुड़ाव एससीओ परिवार की एक बड़ी ताकत है। उन्होंने अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता को शांतिपूर्ण और सुरक्षित यूरेशिया के बड़े लक्ष्य से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, भारत अफगानिस्तान के लोगों के विकास और मानवीय मदद में योगदान देता रहा है और आगे भी देता रहेगा। मिडिल ईस्ट संकट पर पीएम मोदी ने कहा कि झगड़ों का असर उनके आस-पास के इलाके से कहीं अधिक दूर तक हो सकता है, जिसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और सप्लाई चेन पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के देशों को इसका सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ता है।

भारत के सख्त रुख से परेशान पाकिस्तान, एससीओ में शहबाज शरीफने उठाया पानी का मुद्दा

भारत के सिंधु जल समझौते पर सख्त रुख के बीच पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में साझा जल संसाधनों को लेकर भारत पर अप्रत्यक्ष निशाना साधा। सरकारीकार्यकारी सेवाओं की जानकारी पाना एससीओ की राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफने कहा कि पानी इस क्षेत्र की जीवन-रेखा है और इसे कभी भी राजनीतिक दबाव या लाभ हासिल करने के लिए हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि साझा जल संसाधनों से जुड़े समझौते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाध्यकारी प्रतिबद्धताएं हैं और सभी पक्षों को इनका बिना शर्त पालन करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का रायपुर दौरा

यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस ने किया मॉकड्रिल....

रायपुर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन बुधवार को राजधानी रायपुर पहुंचेंगे। वे एम्स रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रायपुर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, उपराष्ट्रपति सुबह करीब 10 बजे रायपुर पहुंचेंगे। इसके बाद 10.45 बजे एम्स रायपुर पहुंचेंगे, जहां सुबह 11 बजे से तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दोपहर 12.30 बजे एम्स से रायपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। इसके बाद

दोपहर 1.30 बजे रायपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। ज्योग्राफिक्समैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना उपराष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए रायपुर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। एयरपोर्ट से एम्स तक के रूट पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर रिहर्सल और मॉकड्रिल की जा रही है।

टक्कर के बाद मची चीख-पुकार

धार्मिक यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की पिकअप ट्रक में घुसी,हादसे में 6 लोगों की मौत लगभग 14 घायल

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले में मंगलवार सुबह क.ंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। धार्मिक यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल पलवल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे चरखा एक्सप्रेसवे पर हुई। पिकअप में सवार श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर निकले थे। इसी दौरान वाहन सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा भिड़ा। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, हादसे की वजह चालक को झपकी आना बताई जा रही है। घायलों के अनुसार, यात्रा के दौरान चालक की अचानक आंख लग गई और वाहन अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गया। पिकअप और ट्रक के बीच टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद

पिकअप में सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद एक्सप्रेसवे से गुजर रहे राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से वाहन में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को तत्काल जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान विजय सिंह, राजकुमार, रेशमा देवी, कमला देवी, सुधा और महेश के रूप में हुई है। वहीं घायल श्रद्धालुओं में सुनील, श्वेता यादव, बीरेश, उमेद, विनोद कुमार, सरला, रूबी, रामसेवक, रवि, वाणी, वीनू, तन्नू, रेखा और गोरा देवी शामिल हैं। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में सवार सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के रहने वाले थे।

पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शनों पर बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने किया छात्रों पर दर्ज सभी एफआईआर रद्द.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश भर में पेपर लीक के खिलाफ हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने वाले छात्रों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इन प्रदर्शनों के सिलसिले में छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर को खारिज कर दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्रदत्त अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह बड़ा आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा पारित किए गए

इस आदेश के दायरे में दिल्ली, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमे शामिल हैं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने इस बात का उल्लेख किया कि गत 20 से 25 जुलाई के बीच दिल्ली के जंतर-मंतर और उसके आसपास के इलाकों में हजारों की संख्या में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन किया था। अदालत के अनुसार, इन प्रदर्शनों के संबंध में दिल्ली पुलिस द्वारा कुल 13 एफआईआर दर्ज की गई थीं। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई में कहा कि 20 से 25 जुलाई तक हजारों छात्र जंतर-मंतर और आसपास के क्षेत्रों के आंदोलन में शामिल हुए थे, जिसके बाद पुलिस ने कुल 13 एफआईआर दर्ज की थीं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह साफकर दिया है कि यह राहत उन लोगों पर लागू नहीं होगी जिनका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

एयर इंडिया प्लेन की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद। एयर इंडिया की एक फ्लाइट की बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. फ्लाइट सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली जा रही थी. इस फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया था. प्लेन के वरू मेंबर को टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर मिला जिस पर बम लिखा था. अहमदाबाद पुलिस के मुताबिक, विमान की जांच की जा रही है. प्लेन में सवार सभी 32 यात्रियों को बिना किसी घटना के सुरक्षित उतारकर सीधे टर्मिनल 2 भेज दिया गया. टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर सुरक्षाकर्मियों ने यात्रियों को कड़ी निगरानी में रखा।

किसी बात को लेकर डिप्रेशन में थीं बृष्टि

पूर्व सीएम ममता की भतीजी बृष्टि मुखर्जी ने की आत्महत्या

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के परिवार से एक दुखद खबर सामने आई है। उनकी 28 वर्षीय भतीजी बृष्टि मुखर्जी बीरभूम जिले के रामपुरहाट स्थित अपने घर में मृत पाई गईं। मंगलवार को उनका शव घर के एक कमरे में पंखे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस

अधिकारियों के अनुसार, बृष्टि मुखर्जी का शव रामपुरहाट क्षेत्र के कुसुम्बा गांव स्थित उनके पैतृक घर की दूसरी मंजिल पर एक कमरे में मिला। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर में मौजूद थे। बताया जा रहा है कि जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने खिड़की से कमरे के अंदर देखा और बृष्टि को पंखे से लटका पाया। पुलिस को तुरंत सूचना दी गई। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तलाशी के दौरान अधिकारियों को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

दुर्ग-धमतरी के बाद बलरामपुर में ईडी की दबिश

बलरामपुर के अपर कलेक्टर चेतन बोरघारिया से ईडी ने की पूछताछ

बलरामपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। दुर्ग और धमतरी के बाद अब ईडी की टीम ने बलरामपुर में दबिश दी है। जांच एजेंसी की टीम दो वाहनों से बलरामपुर पहुंची और सीधे सर्किट हाउस गई, जहां अपर कलेक्टर चेतन बोरघारिया से पूछताछ किया गया। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम सुबह दो वाहनों से बलरामपुर पहुंची। टीम के सर्किट हाउस पहुंचने के बाद वहां सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। इसके बाद अपर कलेक्टर चेतन बोरघारिया को बुलाकर उनसे पूछताछ शुरू की गई। फिलहाल पूछताछ का सिलसिला जारी है। चेतन बोरघारिया का पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से भी जुड़ाव रहा है। वे तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओएसडी के तौर पर काम कर चुके हैं। वर्तमान में वे बलरामपुर में अपर कलेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। ऐसे में ईडी की टीम द्वारा उनसे पूछताछ किए जाने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल ईडी की इस कार्रवाई का संबंध किस मामले से है, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। जांच एजेंसी की ओर से भी पूछताछ के कारण या जांच के दायरे को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सर्किट हाउस के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। ईडी की टीम अपनी कार्रवाई कर रही है और पूछताछ के दौरान क्या जानकारी सामने आती है, इसका

फिलहाल इंतजार किया जा रहा है। बलरामपुर में ईडी की कार्रवाई से पहले दुर्ग में भी जांच एजेंसी ने दबिश दी थी। पुरानी भिलाई स्थित पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पीए के.के. चंद्रवंशी के घर ईडी की टीम पहुंची थी। करीब आठ अधिकारियों की टीम दो वाहनों से वहां पहुंची और घर के अंदर दस्तावेजों की जांच की गई। सुरक्षा के लिए जवान भी तैनात किए गए थे। कार्रवाई किस मामले से जुड़ी है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा सिकोल भांटा में रिटायर्ड पटवारी कमलेश राजूपत के निवास पर भी ईडी की टीम पहुंची थी। यहां दुर्ग के बड़े बिल्डर्स से लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच किए जाने की जानकारी सामने आई है। कमलेश राजूपत वर्तमान में पटवारी संघ के अध्यक्ष हैं, जबकि उनकी बेटी पटवारी के पद पर कार्यरत हैं। इधर, धमतरी में भी ईडी की टीम ने कार्रवाई की। जांच एजेंसी की टीम चेतन बोरघारिया के घर पर जांच कर रही है। करीब छह सदस्यीय टीम दो वाहनों से वहां पहुंची थी और दस्तावेजों समेत अन्य रिकॉर्ड की पड़ताल किए जाने की जानकारी है। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बल भी तैनात रहे। फिलहाल बलरामपुर, दुर्ग और धमतरी में हुई इन कार्रवाइयों को लेकर ईडी की ओर से विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

पूर्व सीएम भूपेश के पीए के.के. चंद्रवंशी के घर सुबह-सुबह ईडी का छापा

रायपुर. छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पीए के.के. चंद्रवंशी के पुरानी भिलाई स्थित घर पर मंगलवार को सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है. दो गाड़ियों में अधिकारियों की टीम पहुंची हुई है. मौके पर दस्तावेजों की जांच की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, ईडी के करीब 8 अधिकारी तड़के सुबह दो गाड़ियों में सवार होकर के.के. चंद्रवंशी के पुरानी भिलाई के निवास पर पहुंचे. इसके बाद टीम ने घर के अंदर प्रवेश कर दस्तावेजों की पड़ताल शुरू की. सुरक्षा के लिए जवान तैनात किए गए हैं. फिलहाल ईडी की टीम द्वारा किन मामलों को लेकर यह कार्रवाई की जा रही है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. भूपेश बघेल के पीए के घर छापेमारी के बाद से राजनीतिक माहौल गरमाने के आसार हैं.

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार दूसरे वर्ष प्रदान करेगा विश्वपर्यटन दिवस पुरस्कार 2026

10 श्रेणियों में प्रत्येक विजेता को मिलेगा 11 हजार रुपए एवं मेमेंटो

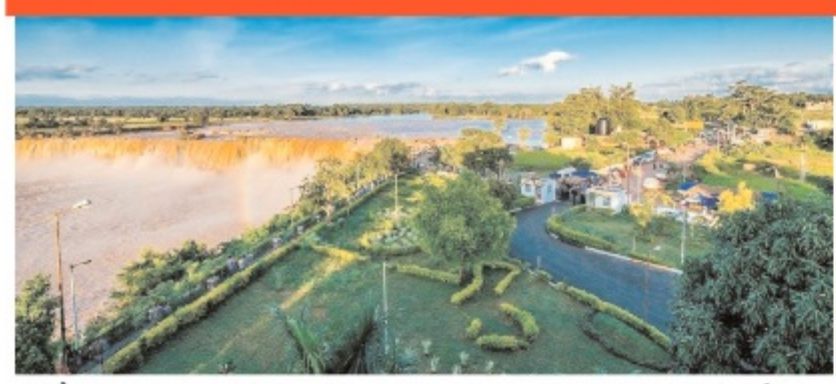

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में पर्यटन क्षेत्र को नई पहचान देने, पर्यटन से जुड़े उद्यमियों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा राज्य के पर्यटन स्थलों के विकास, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' प्रदान किए जाएंगे। इस पुरस्कार योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले होटल, पंजीकृत टूर ऑपरेटर, जिले, पर्यटन स्टार्टअप, रिसॉर्ट, पर्यटक सूचना केंद्र, होमस्टे, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, इको-टूरिज्म साइट और एडवेंचर टूरिज्म संचालकों को सम्मानित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत कुल 10 श्रेणियों में एक-एक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को ?11 हजार की पुरस्कार राशि एवं मेमेंटो प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार की सभी श्रेणियों के लिए आवेदन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इच्छुक व्यक्ति, संस्थाएं एवं संबंधित पर्यटन क्षेत्र के पात्र हितधारक अपनी प्रविष्टियां it@visitcg.in पर ई-मेल के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की वेबसाइट www. tourism. cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। अधिक जानकारी के लिए प्रबंधक छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड से मोबाइल नंबर-94594-60947 पर संपर्क किया जा सकता है।

आयस्टर मशरूम उत्पादन से आत्मनिर्भर बन रही टिकेश्वरी साहू, बिहान योजना ने बनाया आर्थिक रूप से सशक्त

बलौदाबाजार। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार के नए अवसरों से जुड़ रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम अर्जुनी निवासी टिकेश्वरी साहू भी बिहान के माध्यम से आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही हैं। वे ओम शांति स्व सहायता समूह से जुड़कर अपने पड़ोस की दीदी के साथ मिलकर घर पर ही आयस्टर मशरूम का उत्पादन कर रही हैं। टिकेश्वरी साहू ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष भी घर पर आयस्टर मशरूम का उत्पादन किया था, जिससे उन्हें लगभग 20 से 25 हजार रुपए की आय प्राप्त हुई थी। इस अनुभव से उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने इस वर्ष भी मशरूम उत्पादन शुरू किया है। घर पर ही कम लागत में शुरू की गई इस गतिविधि से उन्हें अपनी मेहनत के अनुसार अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर मिल रहा है। टिकेश्वरी का कहना है कि बिहान स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने और अपनी क्षमता को पहचानने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संचालित बिहान योजना, महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। महतारी वंदन योजना से आर्थिक संबल मिला है, वहीं उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिलने से महिलाओं को चूल्हे के धुएं से राहत मिली है। बिहान योजना ने महिलाओं को घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ स्वरोजगार और आय अर्जित करने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया है। टिकेश्वरी साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विष्णु भैया के सुशासन में इन जनहितकारी योजनाओं ने हम महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाया है और हमें केवल चूल्हे-चौके तक सीमित रहने के बजाय बाहर की दुनिया को देखने, नई चीजें सीखने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि आज वे अपने घर पर ही मशरूम उत्पादन कर रही हैं और इससे उन्हें आत्मनिर्भर बन रही है।

स्वच्छता बनी रोजगार का जरिया, कचरा संग्रहण से बिरकोना की बदली तस्वीर

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण से मिली आजीविका को नई पहचान

कवर्धा। रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर स्थित ग्राम पंचायत बिरकोना, जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर है। खेती और व्यापार यहां के लोगों की प्रमुख आजीविका है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होने के कारण गांव में बड़ी संख्या में दुकानें हैं, जहां से निकलने वाला कचरा लंबे समय से पंचायत के लिए चुनौती बना हुआ था। गांव के भीतर स्वच्छता के बावजूद मुख्य मार्ग पर बिखरा कचरा गांव की समग्र तस्वीर को प्रभावित करता था। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत स्वच्छता को व्यवहार और आजीविका से जोड़ने के प्रयासों ने इस समस्या का समाधान किया। ग्राम पंचायत द्वारा घर-घर एवं दुकानों से कचरा संग्रहण की व्यवस्था शुरू करने का प्रयास किया गया, लेकिन शुरुआती दौर में कोई व्यक्ति यह कार्य करने के लिए तैयार नहीं था। कचरा संग्रहण को लेकर सामाजिक धारणा और झिझक के कारण योजना को धरातल पर उतारना चुनौतीपूर्ण रहा। इस स्थिति में जिला पंचायत द्वारा स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों को लेकर जागरूकता एवं प्रशिक्षण आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के बाद ग्रामीणों की सोच में बदलाव आया और ग्राम के स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने कचरा संग्रहण की जिम्मेदारी स्वयं लेने की पहल की। इसके बाद 1 मई 2024 से ग्राम पंचायत बिरकोना में कचरा संग्रहण का कार्य औपचारिक रूप से शुरू हुआ। स्व-सहायता समूह की महिलाएं मुख्य मार्ग पर स्थित दुकानों से नियमित रूप से कचरा संग्रहण करती हैं और इसके लिए 50 प्रतिमाह शुल्क लिया जाता है। ग्राम पंचायत द्वारा 15वें वित्त आयोग से समूह को आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणकृमास्क, दस्ताने, चश्मे और रिफ्लेक्टिव जैकेटकृउपलब्ध कराए गए। महिलाओं को सुरक्षित तरीके से कचरा संग्रहण एवं कचरा प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। शुरुआत में सुरक्षा उपकरण पहनकर काम करना महिलाओं के लिए नया अनुभव था, लेकिन अब वे इन्हें नियमित रूप से उपयोग करती हैं। इससे वे संक्रमण के जोखिम से बचते हुए सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से आजीविका अर्जित कर रही हैं। कचरा संग्रहण व्यवस्था शुरू होने के बाद ग्राम पंचायत बिरकोना की तस्वीर में उल्लेखनीय बदलाव आया है। गांव के चैक-चैराहे, सड़कें, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और बाजार परिसर पहले की तुलना में अधिक स्वच्छ दिखाई देते हैं। नियमित कचरा संग्रहण से खुले में कचरा फैलने की समस्या कम हुई है और स्वच्छ वातावरण से बीमारियों के जोखिम में भी कमी आई है। ग्राम पंचायत के अनुसार, स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होने से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। गंदगी से होने वाली बीमारियों की संभावना कम होने के साथ उपचार पर होने वाले अनावश्यक खर्च में भी बचत हो रही है। आज बिरकोना में स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए रोजगार और सम्मान का माध्यम बन गई है।

जिस काम को कभी छोटा और तुच्छ समझा जाता था, वही काम आज महिलाएं जिम्मेदारी और आत्मसम्मान के साथ कर रही हैं।

कबीरधाम जिले में 561.9 मिलीमीटर औसत वर्षा

कवर्धा। कबीरधाम जिले में एक जून से आज तक 561.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार कवर्धा तहसील में 527.0 मिलीमीटर, पंडरिया तहसील में 455.3 मिलीमीटर, बोड़ला तहसील में 444.7 मिलीमीटर, सहसपुर लोहारा तहसील में 421.4 मिलीमीटर, रेंगाखार तहसील में 518.0 मिलीमीटर, कुण्डा तहसील में 445.2 मिलीमीटर, पिपरिया तहसील में 818.7 मिलीमीटर और कुकदूर तहसील में 864.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 31 अगस्त की स्थिति में पिछले 24 घंटे में जिले में 0.6 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई है, कवर्धा तहसील में 0.0 मिलीमीटर, पंडरिया तहसील में 0.0 मिलीमीटर, बोड़ला तहसील में 0.0 मिलीमीटर, सहसपुर लोहारा तहसील में 2.4 मिलीमीटर, रेंगाखार तहसील में 0.0 मिलीमीटर, कुण्डा तहसील में 0.0 मिलीमीटर, पिपरिया तहसील में 2.3 मिलीमीटर और कुकदूर तहसील में 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

60 लीटर अवैध डीजल के साथ युवक गिरफ्तार

सरायपाली। पुलिस ने ग्राम सिंघोड़ा चौक में एक दुकान पर कार्रवाई करते हुए बिना वैध दस्तावेज और सुरक्षा इंतजाम के रखे गए 60 लीटर डीजल को जब्त किया है। पुलिस ने मामले में दुकान संचालक रामेश्वर मिरी (21 वर्ष), पिता सुदाम मिरी, निवासी ग्राम सिंघोड़ा, को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त को थाना सिंघोड़ा में पदस्थ प्रशिक्षु उप निरीक्षक राकेश दिव्य को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सिंघोड़ा चौक स्थित रामेश्वर मिरी की दुकान में ज्वलनशील पदार्थ डीजल बिना सुरक्षा प्रबंध के रखा गया है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद पुलिस टीम गवाह कैलाश मिरी एवं महेश मिरी को साथ लेकर मौके पर पहुंची। स्नद्बक्र में उल्लेख है कि जिस स्थान पर डीजल रखा गया था, वहां ज्वलनशील पदार्थ के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम और अग्निशमन उपकरण उपलब्ध नहीं थे। पुलिस द्वारा डीजल रखने एवं भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेज अथवा लाइसेंस प्रस्तुत करने के लिए क्चहृस्स् की धारा 94 के तहत नोटिस दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने पास कोई वैध कागजात या लाइसेंस नहीं होना लिखित में बताया। ट्रक चालकों से कम कीमत में डीजल खरीदने की बात पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने अपने कथन में बताया कि उसकी दुकान ह्र-53 सड़क किनारे स्थित है और वह सड़क से गुजरने वाले ट्रक चालकों से कम कीमत में डीजल खरीदकर रखता था।

कसित भारत जी राम जी योजना से मिला रोजगार

सिंचाई का साधन और आजीविका का नया अवसर

कवर्धा। कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत बोड़ला अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी के निवासी रामभजन पिता लतेल के जीवन में विकसित भारत जी राम जी योजना से निर्मित आजीविका डबरी ने सकारात्मक बदलाव लाया है। लगभग 1.80 लाख की लागत से निर्मित डबरी ने उनकी 50 डिसमिल भूमि को सिंचाई और आजीविका के नए साधन से जोड़ दिया है। डबरी निर्माण से पहले रामभजन वर्षा आधारित खेती पर निर्भर थे। सिंचाई का पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण 50 डिसमिल भूमि का पूरा उपयोग नहीं हो पाता था और खेती से उन्हें सालाना लगभग 8,000 से 10,000 की ही आय प्राप्त होती थी। ग्राम सभा के माध्यम से उन्हें योजना और डबरी से मिलने वाले आजीविका अवसरों की जानकारी मिली। इसके बाद उनकी मांग पर डबरी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। योजना के माध्यम से निर्मित डबरी ने रामभजन की आजीविका को नई दिशा दी। अब डबरी में मछली पालन किया जा रहा है और इसकी मेड़ों पर मौसमी सब्जियों का उत्पादन भी हो रहा है। वर्षभर पानी की उपलब्धता से कृषि और मत्स्य पालन दोनों गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। इससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 60,000 से 70,000 तक अतिरिक्त आय प्राप्त होने की संभावना है। डबरी निर्माण कार्य ने रामभजन और उनके परिवार सहित अन्य ग्रामीणों को भी रोजगार उपलब्ध कराया। इस कार्य में 1.66 लाख का मजदूरी भुगतान किया गया तथा कुल 697 मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ। इस प्रकार योजना ने एक ओर ग्रामीण परिवार को रोजगार दिया, वहीं दूसरी ओर स्थायी जल संरचना तैयार कर भविष्य की आजीविका का आधार भी मजबूत किया। डबरी से आसपास के लगभग 1 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होने की संभावना है। साथ ही वर्षा जल के संरक्षण से भू-जल स्तर बढ़ाने और आसपास के हैंडपंपों को रिचार्ज करने में भी मदद मिलेगी। रामभजन के लिए यह डबरी अब केवल पानी संग्रह करने की संरचना नहीं, बल्कि खेती, मत्स्य पालन, रोजगार और अतिरिक्त आय का आधार बन गई है। उनका अनुभव बताता है कि जब ग्रामीणों को रोजगार के साथ जल संरक्षण और आजीविका से जोड़ने वाली परिसंपत्तियां मिलती हैं, तो सीमित संसाधनों में भी आत्मनिर्भरता की नई राह तैयार होती है। विकसित भारत जी राम जी योजना के माध्यम से तैयार यह आजीविका डबरी जल संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसान परिवारों की आय बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक पहल का उदाहरण बन रही है।

जनभागीदारी से बनेगा विकसित भारतः रंजना साहू

रंजना साहू ने निज निवास पर सुनी मन की बात की 137वीं कड़ी

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम ष्मन की बातष् की 137वीं कड़ी रविवार को प्रसारित हुई। जिसको भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने अपने निज निवास पर ष्मन की बातष् कार्यक्रम सुनी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय इतिहासए नशामुक्त युवाए हर घर तिरंगाए महिला सशक्तिकरणए स्वच्छताए पर्यावरण संरक्षणए फूलों की खेतीए बेटियों की अंतरिक्ष क्षेत्र में भागीदारीए किसानों द्वारा नई फसलों की खेती तथा वोकल फॉर लोकल सहित विभिन्न विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए ष्नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतष् अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। वहीं ष्हर घर तिरंगाष् अभियान के माध्यम से देश में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना से लाभान्वित महिलाओं की सफलता की कहानियों का उल्लेख करते हुए महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों में पर्यावरण संरक्षणए स्वच्छताए फूलों की खेती और किसानों द्वारा नवाचार के माध्यम से आय बढ़ाने के प्रयासों को भी देश के सामने रखा। इस अवसर पर रंजना साहू ने कहा कि ष्मन की बातष् देश के कोने.कोने में हो रहे सकारात्मक कार्यों और जनभागीदारी की भावना को राष्ट्रव्यापी मंच प्रदान करने वाला कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सामान्य नागरिकों के छोटे.छोटे प्रयासों को पहचानकर उन्हें पूरे देश के लिए प्रेरणा बनाते हैं। आज की कड़ी में नशामुक्त युवाए महिला सशक्तिकरणए स्वच्छताए पर्यावरण संरक्षणए किसान नवाचार और बेटियों की वैज्ञानिक उपलब्धियों जैसे विषयों पर दिया गया संदेश समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार के प्रयासों से नहींए बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से संभव है। हमें स्वच्छता को अपनी आदत बनानाए युवाओं को नशे से दूर रखनाए स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करनाए पर्यावरण की रक्षा करना और बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर देना होगा। ष्मन की बातष् ऐसे ही सामूहिक प्रयासों को नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य कर रही है।

सार्थक के बच्चों से आत्मीय मुलाकात, पवार परिवार ने बढ़ाया हौसला

धमतरी। संवेदना, अपनत्व और उत्साह से भरे भावपूर्ण क्षण उस समय देखने को मिले, जब मराठापारा की पूर्व पार्षद नीलू पवार अपने पति रितेश पवार, सास चमेली पवार एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सार्थक स्कूल पहुंचीं। पवार परिवार ने विशेष बच्चों से आत्मीय मुलाकात की, उनके साथ समय बिताया, उनकी प्रतिभाओं को करीब से देखा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हौसला बढ़ाया। सार्थक पहुंचते ही बच्चों ने पवार परिवार को पहचान लिया और उन्हें देखकर खुशी से खिल उठे। बच्चों की सहज मुस्कान, आत्मीयता और उत्साह ने परिवार के सदस्यों को भी भावविभोर कर दिया। पवार परिवार ने बच्चों से बातचीत की, उनकी गतिविधियों को जाना और सार्थक में दिए जा रहे प्रशिक्षण एवं बच्चों की प्रतिभाओं को करीब से देखा। इस अवसर पर रितेश पवार ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सार्थक विशेष बच्चों की प्रतिभाओं को पहचानकर, उन्हें निखारकर और सही अवसर प्रदान कर उन्हें उड़ान भरने के लिए पंख दे रहा है। इसका सुंदर परिणाम सत्यांशु दीप के रूप में हमारे सामने है, जिन्होंने स्वीडन में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर देश, प्रदेश और धमतरी का नाम रोशन किया है। हमें पूरा विश्वास है कि इसी तरह सार्थक के अन्य बच्चे भी अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन के बल पर आगे बढ़ते हुए अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने सार्थक द्वारा विशेष बच्चों के आत्मनिर्भरता, शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रतिभा विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे बच्चों को अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे किसी से कम नहीं हैं।

आर्थिक कठिनाई से स्कूल नहीं पहुंच पाने वाले बच्चों की समस्या को समझा। मुलाकात के दौरान पूर्व पार्षद नीलू पवार ने उन बच्चों की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से समझा, जो आर्थिक अभाव के कारण ऑटो किराया वहन नहीं कर पाने से नियमित रूप से स्कूल नहीं आ पाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे की आर्थिक परिस्थिति उसकी शिक्षा और विकास में बाधा नहीं बननी चाहिए। नीलू पवार ने ऐसे बच्चों के आवागमन की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक फंड की व्यवस्था कराने हेतु हरसंभव प्रयास करने का विश्वास दिलाया। उनके इस आश्वासन से बच्चों और सार्थक परिवार के बीच एक नई उम्मीद जगी कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण कोई बच्चा प्रशिक्षण और शिक्षा से वंचित न रहे।

कुलदीप के नृत्य ने मोह लिया मन

इस अवसर पर पवार परिवार ने सार्थक के प्रतिभावान डांसर कुलदीप का नृत्य देखने की इच्छा जाहिर की। कुलदीप ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुति दी। उसकी भावपूर्ण प्रस्तुति और अद्भुत ऊर्जा ने वहां उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। कुलदीप की प्रतिभा देखकर पवार परिवार के सदस्य अत्यंत प्रसन्न हुए और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उसका उत्साहवर्धन किया। यह क्षण कुलदीप के साथ.साथ अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणादायक रहा।

पोते श्रेयांश के जन्मदिन पर भावुक हुई दादी चमेली पवार

मुलाकात का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब दादी चमेली पवार बच्चों के बीच पहुंचकर भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि आज उनके स्वर्गवासी पोते श्रेयांश का 20वां जन्मदिन है। बच्चों की मासूम मुस्कान और निश्छल स्नेह को देखकर उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि सार्थक के इन प्यारे बच्चों की मुस्कान में मुझे अपने पोते श्रेयांश की मुस्कान दिखाई देती है। इन बच्चों के बीच आकर मुझे अपार आत्मिक संतोष और अपनापन महसूस होता है। चमेली पवार ने कहा कि बच्चों का स्नेह उनके मन को छू गया है और वे भविष्य में भी सार्थक के बच्चों से मिलने तथा उनके साथ समय बिताने आती रहेंगी।

स्वल्पाहार के पैकेट भेंट कर बांटी खुशियां

प्यार और अपनत्व से भरी इस मुलाकात के अवसर पर पवार परिवार की ओर से सार्थक के सभी बच्चों को आकर्षक एवं स्वादिष्ट स्वल्पाहार के पैकेट भेंट किए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस मुलाकात ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, मन में नई ऊर्जा और आगे बढ़ने का उत्साह भर दिया। वहीं पवार परिवार भी बच्चों की सरलता, प्रतिभा, आत्मविश्वास और स्नेह से अभिभूत नजर आया। इस अवसर पर मयंक पवार, प्रियतोश जगताप, सुभाष मालिक, सार्थक के प्रशिक्षक मैथिली गोड़े, देविका दीवान, कौशिल्या यादव, काजल रजक एवं सुनैना गोड़े सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत, जंगल में मिला शव इलाके में दहशत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। घटना प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के जजवाल गांव के पास की है, जहां शनिवार रात जंगल गए ग्रामीण का सामना हाथी से हो गया। हाथी के हमले में ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, जजवाल गांव के आसपास पिछले कुछ समय से हाथियों की मौजूदगी बनी हुई है। शनिवार रात एक ग्रामीण किसी काम से जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उसका सामना हाथी से हो गया और हाथी ने उस पर हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण की मौत हो गई। घटना के बाद जंगल से गुजर रहे अन्य ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल मृतक की पहचान और घटना से जुड़ी अन्य विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। हाथी के हमले की घटना के बाद जजवाल समेत आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। हाथियों की लगातार मौजूदगी को देखते हुए ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में निगरानी कर रही है। वहीं, आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को जंगल की ओर नहीं जाने और हाथियों से दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है।

महासमुंद में गांजा तस्करी पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, स्कूटी से 6.40 किलो गांजा बरामद

रायपुर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत महासमुंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बसना थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय जांच चौकी पर वाहन जांच के दौरान एक स्कूटी से 6.40 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में 16 वर्षीय विधि से संघर्षरत बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त 2026 को पदमपुर मार्ग स्थित ग्राम पलसापाली बेरियर पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा के पदमपुर की ओर से एक एक्टिवा स्कूटी में गांजा लेकर दो लोग बसना की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही जांच चौकी पर तैनात पुलिस टीम को सतर्क कर दिया गया। कुछ देर बाद संदिग्ध स्कूटी क्रमांक ओडी 03-एई-8907 को रोककर उसकी जांच की गई। स्कूटी पर सवार 16 वर्षीय विधि से संघर्षरत बालक, निवासी खेरमंडीगढ़, जिला बौद्ध, ओडिशा को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस टीम ने स्कूटी की तलाशी ली तो पैरदान के पास रखी प्लास्टिक बोरी बरामद हुई। बोरी की जांच करने पर उसमें 6.40 किलो गांजा मिला। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में बालक ने बताया कि वह गांजा ओडिशा के बौद्ध से खरीदकर बसना में एक संपर्क व्यक्ति रोशन मांझी को देने के लिए ले जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गांजे समेत कुल करीब 3 लाख 90 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। जब्त सामग्री में 6.40 किलो गांजा कीमत करीब 3 लाख रुपये एक स्कूटी कीमत करीब 80 हजार रुपये एक मोबाइल फोन कीमत करीब 10 हजार रुपये शामिल हैं। पुलिस ने विधि से संघर्षरत बालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की है। महासमुंद पुलिस का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन और अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए वाहनों की जांच और निगरानी अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

उत्तर छत्तीसगढ़ में मौसम का बदलेगा मिजाज, भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से तथा पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तट से लगे क्षेत्र में बने सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 30 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है। विशेष रूप से 31 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं अत्यंत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। ऐसे में उत्तर छत्तीसगढ़ के कोरिया, बैकुंठपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में भी मौसम पर विशेष नजर रखने की जरूरत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 31 अगस्त को छत्तीसगढ़ में अत्यधिक वर्षा की संभावना को देखते हुए निचले इलाकों, नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। लगातार बारिश की स्थिति में नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि तथा आवागमन प्रभावित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। कोरिया जिले में बारिश के दौरान नागरिकों को अनावश्यक रूप से नदी, नाले और जलभराव वाले क्षेत्रों के पास जाने से बचना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे रास्तों, पुल-पुलियों और निचले मार्गों पर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। प्रशासन की ओर से जारी स्थानीय मौसम चेतावनी एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। मौसम में अचानक बदलाव की स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर रहने और आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रायद्वीपीय भारत में आगामी एक सप्ताह के दौरान वर्षा गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर रहने की संभावना है। वहीं बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण पूर्वी एवं मध्य भारत के हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

पानी के छींटे पड़ने पर विवाद, पिस्टलनुमा हथियार से युवक पर फायरिंग; जांच में एयरगन निकली

रायपुर। कोतरारोड थाना क्षेत्र में सड़क पर पानी के छींटे पड़ने की मामूली बात को लेकर हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने पिस्टलनुमा हथियार निकालकर युवक पर दो बार फायर कर दिया। युवक ने नीचे बैठकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद आरोपी मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटना 29 अगस्त की रात करीब 8:45 बजे रिलायंस मार्ट के सामने की है। रामबाग कोतरारोड निवासी खुशहाल अग्रवाल (26 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि वह कोतरारोड में पोहेवाला कैफे संचालित करता है। रात में वह पैदल घर से कोल्ड ड्रिंक लेने निकला था। इसी दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक [illegible] 13 [illegible] 6711 से जा रहे व्यक्ति ने सड़क का पानी उसके ऊपर छिटका दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

कोरंडम से बस्तर को मिलेगी नई पहचान

खनन से मूल्य संवर्धन तक विकसित होगी पूरी वैल्यू चेन-सीएम साय

- कटिंग-पॉलिशिंग के आधुनिक प्रशिक्षण के लिए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय बनेगा नॉलेज पार्टनर, 'बस्तर ब्रांड' को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर/ संवाददाता

नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में खनिज संसाधनों के दोहन के साथ-साथ उनके स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ([illegible]) द्वारा बीजापुर जिले के कुचनूर क्षेत्र में लगभग 25 वर्षों के अंतराल के बाद कोरंडम खदान का पुनः संचालन किया गया है। कोरंडम के खनन से लेकर उसकी कटिंग, पॉलिशिंग, आभूषण निर्माण, ब्रांडिंग और विपणन तक पूरी वैल्यू चेन विकसित करने के उद्देश्य से [illegible] और पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में नया रायपुर स्थित मेफेयर रिज़ॉर्ट में यह महत्वपूर्ण एमओयू सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय को नॉलेज पार्टनर के रूप में चयनित किया गया है, जिसके माध्यम से स्थानीय युवाओं और शिल्पकारों को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश में कोरंडम खनिज के दोहन एवं विपणन के लिए [illegible] और संयुक्त उपक्रम साझेदार मेसर्स एन.सी. नाहर के मध्य गठित छत्तीसगढ़ कोरंडम माइन्स लिमिटेड के माध्यम से बीजापुर जिले के भोपालपट्टनम क्षेत्र के ग्राम कुचनूर में कोरंडम खदान संचालित की जा रही है। लगभग 25 वर्षों के अंतराल के बाद फरवरी 2025 से खदान का पुनः संचालन करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले कोरंडम का

वैज्ञानिक पद्धति से उत्खनन किया जा रहा है। वर्तमान में खदान से उत्खनित कोरंडम का लगभग 240 किलोग्राम भंडारण है, जिसमें से 157.643 किलोग्राम का परिवहन किया जा चुका है। परिवहन किए गए कोरंडम में 107.989 किलोग्राम बी-ग्रेड तथा 49.654 किलोग्राम औद्योगिक ग्रेड कोरंडम शामिल है। कुचनूर कोरंडम खदान के संचालन से बीजापुर जिले के 14 स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार और [illegible] का प्रयास है कि खनिज आधारित गतिविधियों का लाभ केवल खनन तक सीमित न रहे, बल्कि स्थानीय समुदायों, युवाओं, शिल्पकारों, स्वयं सहायता समूहों और उद्यमियों की भागीदारी से आय के नए अवसर सृजित हों। कोरंडम से अधिकतम मूल्य प्राप्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर जेम्स्टोन हैंडलिंग, कटिंग, पॉलिशिंग और अन्य वैल्यू एडिशन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय को नॉलेज पार्टनर बनाया गया है। आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रत्नों की पहचान और कौशल गतिविधियों में दक्ष बनाया जाएगा। इससे उन्हें रोजगार के साथ स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के अवसर भी मिलेंगे। कुचनूर से प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले कोरंडम को 'बस्तर ब्रांड' के तहत स्थानीय डिजाइन, गुणवत्ता और प्रमाणिकता से जोड़ने की योजना है। कोरंडम से आभूषण एवं रत्न उत्पाद तैयार कर उनकी ब्रांडिंग और मार्केटिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे बस्तर की स्थानीय कला, शिल्प और प्राकृतिक खनिज संपदा को एक साथ बाजार से जोड़ने में मदद मिलेगी। स्थानीय इकाइयों, स्टार्टअप्स, शिल्पकारों और निवेशकों की भागीदारी से कोरंडम आधारित नए उद्यम विकसित किए जा सकेंगे।

महतारी वंदन से महिलाओं को मिला आर्थिक संबल,धावरिया ने मुख्यमंत्री को कहा धन्यवाद

- रक्षाबंधन से पहले मिली सितंबर की किस्त, पूनम बोलीं—समय पर मिली राशि भाई के उपहार जैसी

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आई है। योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ आर्थिक रूप से अधिक सक्षम महसूस कर रही हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के सारबहरा निवासी श्रीमती पूनम धावरिया भी इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। राशि प्राप्त होने पर श्रीमती पूनम धावरिया ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें नियमित रूप से प्रत्येक माह आर्थिक सहायता मिल रही है। यह राशि उनके लिए बेहद उपयोगी है और घर-परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक सहारा प्रदान करती है। श्रीमती पूनम धावरिया ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए सितंबर माह की किस्त की राशि अगस्त माह में ही प्रदान की गई है। समय से पहले राशि मिलने से महिलाओं में खुशी

का माहौल है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व से पहले राशि मिलना उनके लिए विशेष खुशी की बात है। उन्होंने भावुक होकर कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर समय से मिली यह राशि उन्हें भाई की ओर से मिले उपहार जैसी महसूस हुई। इस आर्थिक सहायता से पर्व की तैयारियों और आवश्यक घरेलू खर्चों में उन्हें सहूलियत मिली है। श्रीमती पूनम ने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नियमित रूप से मिलने वाली राशि से महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग महिलाएं अपनी दैनिक जरूरतों, परिवार से जुड़े खर्चों तथा अन्य आवश्यक कार्यों में कर पा रही हैं। इससे उनमें आर्थिक आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। श्रीमती पूनम धावरिया ने महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

महतारी वंदन की छांव तले सुकृति के सुनहरे कल की नींव......

- एक छोटी सी बचत, सशक्त भविष्य की बड़ी उड़ान

रायपुर/ संवाददाता

जब इरादे नेक हों और सोच दूरदर्शी, तो सरकारी सहायता योजनाएं केवल जीवनयापन का साधन नहीं बनतीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी की तकदीर बदलने का जरिया बन जाती हैं।छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी श्महतारी वंदन योजनाश् का ऐसा ही एक प्रेरणादायक और अनुकरणीय उदाहरण बस्तर अंचल के नारायणपुर जिले में देखने को मिल रहा है। ?नारायणपुर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 की निवासी श्रीमती जय ललिता कश्यप ने अपनी 5 वर्षीय लाडली बेटी सुकृति कश्यप के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा देने की एक अनुठी और सराहनीय मिसाल कायम की है। अप्रैल 2024 से महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली वित्तीय सहायता को दैनिक खर्चों में उड़ाने के बजाय, जय ललिता और उनके पति गजेंद्र कश्यप ने एक दूरगामी निर्णय लिया। उन्होंने इस राशि का सीधा रुख अपनी बेटी के सुखद भविष्य की ओर मोड़ दिया। जय ललिता ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि से पोस्ट ऑफिस में बेटी सुकृति के नाम से सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया और उसमें नियमित रूप से मासिक बचत जमा करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि बेटी के भविष्य को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना हर माता-पिता का सपना होता है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से हमें अपनी बेटी की पढ़ाई और करियर के लिए अभी से एक मजबूत आर्थिक आधार बनाने का अवसर मिला है। आज की यह छोटी-छोटी बचत कल सुकृति के सपनों को पूरा करने में बहुत बड़ी मददगार साबित होगी। सुकन्या समृद्धि योजना भारत सरकार की एक ऐसी बचत योजना है जो बालिकाओं की शिक्षा, उच्च अध्ययन और शादी के लिए एक निश्चित और सुरक्षित फंड तैयार करती है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता का सुकन्या समृद्धि योजना में पुनर्निवेश (त्मपदअमेजउमदज) कर कश्यप परिवार ने वित्तीय प्रबंधन का एक अनुठा मॉडल पेश किया है। जय ललिता कश्यप की यह पहल केवल उनके परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की उन माताओं के लिए एक पथ-प्रदर्शन है जो अपनी बेटियों को सशक्त देखना चाहती हैं।

परिवार की जिम्मेदारियों में बनीं मजबूत सहारा

महतारी वंदन से मिला संबल......सिलाई मशीन ने दिखाई आत्मनिर्भरता की राह

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई है। महासमुंद शहर के वार्ड नंबर 11 की हितग्राही श्रीमती सीता वर्मा की कहानी भी इसी बदलाव का उदाहरण है। योजना के तहत उन्हें अब तक 31वीं किश्त प्राप्त हो चुकी है और नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उनके परिवार की मुश्किलों को आसान करने में विशेष भूमिका निभाई है। सीता वर्मा बताती हैं कि उनके परिवार में 11 सदस्य हैं। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच आजीविका चलाना चुनौतीपूर्ण था।

ऐसे समय में महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली नियमित राशि उनके लिए बड़ा सहारा बनी। उन्होंने इस राशि का उपयोग अपनी आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से सिलाई मशीन खरीदने में किया। सिलाई मशीन मिलने के बाद उन्होंने घर से ही सिलाई का काम शुरू किया। धीरे-धीरे काम मिलने लगा और इससे उनकी आय का नया स्रोत तैयार हुआ। अब वे अपने हुनर के जरिए परिवार की आर्थिक जरूरतों में योगदान दे रही हैं। सीता कहती हैं कि योजना से मिली सहायता ने उन्हें केवल आर्थिक संबल ही नहीं दिया, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास भी दिया है। उन्होंने बताया कि पहले परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज लेने की चिंता बनी रहती थी, लेकिन नियमित आर्थिक सहायता और सिलाई के काम से होने वाली आय ने उनकी मुश्किलों को काफी हद तक कम कर दिया है। आज वे स्वयं को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता हुआ महसूस कर रही हैं।

व्यापारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मौत की वजह रहस्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के मोतीसागर पारा क्षेत्र में शनिवार सुबह एक व्यापारी की घर में फंदे पर लटकी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जगमोहन केंवट (40) के रूप में हुई है। वह भजिया-बड़ा बेचकर पत्नी और दो बच्चों का पालन-पोषण करते थे। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह परिजनों ने जगमोहन को कमरे में पंखे से कपड़े के सहारे फंदे पर लटका देखा। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की।

गंगरेल के 'मिनी गोवा' से लेकर रिकॉर्ड जलस्तर तक

धमतरी बन चुका है छत्तीसगढ़ का सबसे प्रमुख टूरिज्म हब

- प्रकृति, रोमांच और लबालब जलराशि का अद्भुत संगम : पर्यटकों की पहली पसंद बना धमतरी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले ने राज्य के पर्यटन मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और अमिट पहचान बनाई है। धमतरी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहां रविशंकर सागर जलाशय गंगरेल बांध सहित एशिया का एकमात्र सायफन सिस्टम वाला माडमसिल्ली, सिहावा का श्रृंगऋषि पर्वत, कर्णेश्वर महादेव, सप्तऋषि, नरहरा जलप्रपात, जबर्रा हिल्स और वनों से आच्छादित नगरी विकासखण्ड लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। मानसून के इस सुहावने मौसम और आगामी त्यौहारों के सीजन में गंगरेल जलाशय, रुद्री डैम, माडमसिल्ली और नरहरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सैलानियों का भारी तांता लगा हुआ है। शांत जलतरंगें, हरियाली से ढकी सुरम्य पहाड़ियां और कल-कल बहते झरनों का मनोहारी वातावरण देश-प्रदेश से आने वाले पर्यटकों को सुकून के अविस्मरणीय पल बिताने का न्योता दे रहा है। विशेष रूप से गंगरेल और रुद्री डैम में शुरू की गई कयाकिंग, बोटिंग तथा अन्य एडवेंचर वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों ने युवाओं और साहसिक खेल प्रेमियों को खासा आकर्षित किया है। धमतरी अब महज एक पड़ाव न होकर राज्य का एक प्रमुख टूरिज्म हब बनकर उभर चुका है, जहां प्रकृति का अनुपम सौंदर्य और रोमांचक जलक्रीड़ाएं सैलानियों को एक यादगार अनुभव दे रही हैं। धमतरी जिला छत्तीसगढ़ में प्रकृति, रोमांच और जल पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। चारों ओर से घने जंगलों, पहाड़ियों और विशाल जलाशयों से घिरे होने के कारण

यह सैलानियों को बेहद आकर्षित करता है। जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्रों की बात करें तो 'मिनी गोवा' के नाम से प्रसिद्ध गंगरेल जलाशय अपनी विशाल जलराशि, शानदार सूर्यास्त, वॉटर बोटिंग और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। इसके निकट ही रुद्री डैम जलक्रीड़ाओं, कयाकिंग और पारिवारिक पिकनिक के लिए अत्यंत शांत, सुरक्षित व मनोरम स्थल के रूप में सप्ताहांत में पर्यटकों से गुलजार रहता है। इसके साथ ही, एशिया के पहले 'साइफन डैम' के रूप में विख्यात माडमसिल्ली बांध अपनी अनूठी स्थापत्य कला और प्राकृतिक शांत वातावरण का अद्भुत अनुभव प्रदान करता है, जबकि घने जंगलों, पहाड़ियों और कलकल करते पानी के बीच स्थित नरहरा जलप्रपात प्रकृति प्रेमियों और ट्रेकर्स के लिए एक आदर्श व सुकून भरा गंतव्य साबित हो रहा है। पर्यटन में आई इस अभूतपूर्व उछाल के पीछे इस वर्ष जलाशयों में पर्याप्त और भरपूर जल भराव भी एक मुख्य कारण है। रविशंकर सागर (गंगरेल) जलाशय का कुल जल भराव 90.72% है, जहाँ वर्तमान जलस्तर 347.95 मीटर (1141.62 फीट) दर्ज किया गया है और यहाँ 3548 क्यूसेक की आवक बनी हुई है। इसी प्रकार मुरूमसिल्ली जलाशय 98.82% जलभराव के साथ अपनी कुल क्षमता के बिल्कुल करीब है और इसका जलस्तर 376.22 मीटर (1234.37 फीट) है। दुधावा जलाशय में जल भराव 82.37% (जलस्तर 423.88 मीटर) तथा सोंढूर जलाशय में जल भराव 68.90% (जलस्तर 468.52 मीटर) दर्ज किया गया है, जो इस क्षेत्र की समृद्ध जल संपदा को दर्शाता है। धमतरी और महानदी जलाशय परियोजना के अंतर्गत आने वाले ये सभी प्रमुख बांध पर्याप्त जलराशि से समृद्ध हैं, जिससे न केवल क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है, बल्कि आसपास का प्राकृतिक वातावरण और पर्यटन भी बेहद मनोरम हो उठा है।

संपादकीय

देश में चीनी महंगी क्यों हुई? गन्ना उत्पादन में कमी या फिर कुछ और?

गौरतलब है कि भारत चीनी की घरेलू आपूर्ति के साथ-साथ इसके निर्यात के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। देश भर में चीनी के दामों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने त्योहारी मौसम की मिठास में महंगाई की कड़वाहट घोल दी है। चीनी की कीमतें क्यों बढ़ीं, इसके अलग-अलग तर्क दिए जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि गन्ने की कमी से चीनी का उत्पादन प्रभावित हुआ, जिससे दाम बढ़े हैं। वहीं, चीनी उद्योग का तर्क है कि कीमतें बढ़ने की उम्मीद में कारोबारियों एवं थोक व्यापारियों की ओर से की गई ज्यादा खरीदारी भी एक कारण हो सकता है।मगर विपक्षी दल इन तर्कों से इत्तिफाक नहीं रखते, उनका आरोप है कि गन्ने का एथनाल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ाने से चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं। वजह चाहे कोई भी हो, लेकिन यह बात साफ है कि इसका असर आम उपभोक्ता के घरेलू बजट पर पड़ रहा है। सवाल है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रण में रखने की जिम्मेदारी किसकी है? हालांकि, सरकार की ओर से दस लाख टन कच्ची चीनी का शुल्क-मुक्त आयात करने की बात कही जा रही है, लेकिन यह निर्णय अपने आप में कई सवाल खड़े करता है।गौरतलब है कि भारत चीनी की घरेलू आपूर्ति के साथ-साथ इसके निर्यात के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। इसके बावजूद अगर देश में चीनी आयात करनी पड़े, तो इसे किस तरह देखा जाएगा। विपक्ष का आरोप है कि देश में चीनी का भंडार नौ साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है, जबकि सरकार का दावा है कि घरेलू मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।मगर सवाल यह भी है कि अगर सरकार का दावा सही है, तो फिर चीनी की कीमतें क्यों बढ़ी हैं? इसका जवाब सरकार के उन नए दिशा-निर्देशों में भी ढूंढा जा सकता है, जिनके तहत चीनी के बड़े कारोबारियों, शीतल पेय, मिठाई एवं आइसक्रीम विनिर्माताओं और थोक उपभोक्ताओं के लिए भंडारण सीमा लागू की गई है। यानी सरकार को लगता है कि चीनी की कालाबाजारी से भी इसके दामों में बढ़ोतरी हो रही है।मगर यह बात समझ से परे है कि संकट आने के बाद ही सरकार की ओर से ऐसे कदम क्यों उठाए जाते हैं? कालाबाजारी के खिलाफ कानून होने के बावजूद उसे सख्ती से लागू करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती !सवाल सिर्फ कीमतों का ही नहीं है, बल्कि सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र से जुड़े निजी उपक्रमों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का भी है। देश भर के खुदरा और थोक बाजारों में चीनी की कीमतों में एक माह के भीतर करीब पच्चीस फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। इसको लेकर विरोधाभासी दावों ने भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। एक ओर विपक्ष इसे पेट्रोल में एथनाल मिश्रण बढ़ाने की सरकारी नीति से जोड़कर देख रहा है, तो दूसरी तरफ सरकार का दावा है कि देश में कुल एथनाल का केवल एक-चौथाई हिस्सा ही गन्ने से बनता है, जबकि बाकी मुख्य रूप से मक्का जैसे अनाज से तैयार होता है।

आये दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामों को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाएं तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों तक का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है।

विरोध प्रदर्शन करें पर ना हो सीमाओं का अतिक्रमण

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

क्या कभी सोचा है कि हमारे प्रदर्शन से प्रदर्शन वाले शहरवासियों को कितना प्रभावित करता है। प्रदर्शन वाले शहर का कहीं ज्यादा तो कहीं कम यातायात प्रभावित हो जाता है। निजी व सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बाधित हो जाती है। मरीजों व जरुरी काम वालों को बीच रास्ते अटकना पड़ जाता है।

आये दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामों को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाएं तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों तक का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है। केई गलत हो रहा वाले स्थानों पर प्रदर्शन स्वीकृति पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है कि शहर के बीच प्रदर्शन की अनुमति क्यों कर दी जानी चाहिए। दरअसल सीजीपी द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किये गये और यह प्रदर्शन देखते देखते हिंसक हो गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस प्रशासन और पक्ष प्रतिपक्ष द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल जाता है पर मूल कारण को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे पहले 2017-18 में जलकट्टू घटना के संदर्भ में गठित न्यायमूर्ति राजेश्वरन आयोग की सिफारिशें भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

लोकतंत्र में विरोध अधिकार हो सकता है पर विरोध का एक तरीका होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का सबको अधिकार है पर अपने विरोध प्रदर्शन के चक्कर में अन्य और वह भी आमनागरिकों का जनजीवन प्रभावित करने का किसी को अधिकार नहीं हो सकता। विरोध के चलते कानून हाथ में लेना या क्षेत्राधिकार से बाहर जाना एक सभ्य समाज और सभ्य

है तो उसका विरोध भी होना चाहिए पर इसका मतलब यह तो नहीं होना चाहिए कि हम अपनी बात कहने के चक्कर में दूसरों को अपने सामान्य नागरिक अधिकारों से वंचित कर दें। विरोध प्रदर्शन के साथ ही साथ दायित्व भी होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का विरोध भी नहीं होता पर कब इस तरह के प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं और कानून व्यवस्था के गंभीर हालात हो जाते हैं इसका खामियाजा प्रदर्शनकारियों को नहीं अपितु प्रशासन और आमजन को भुगतना पड़ता है। सीजीपी के हालिया प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में जो हालात बने और जयपुर में पिछले दिनों सीजीपी द्वारा स्कूल प्रकरण को लेकर ग्रामवासियों और सीजीपी लोगों के साथ हालात बने यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। रांची और देश के अन्य स्थानों के प्रदर्शनों को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। शहर की सामान्य व्यवस्था को ही प्रभावित करने नागरिक की पहचान नहीं हो सकती। सरकारी या निजी संपत्ती को नुकसान पहुंचाना या कानून को हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। एक बात यह भी समझनी होगी कि पुलिस प्रशासन भी आखिर आदमी है और देखा जाएं तो उनका मरण दोनों तरफ से हो जाता है। यदि प्रदर्शनकारियों को एक सीमा से अधिक बढ़ने पर रोके नहीं तो प्रशासन की विफलता कहने में कोई देरी नहीं लगाता, यहां तक कि प्रशासन की इंटेलिजेंस फैलियर जैसे आरोप लग जाते हैं। प्रदर्शन के हिंसक होने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की आलोचना आम हो जाती है पर जब कई बार प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रदर्शन के दौरान बेरिकेड़ तोड़ने, पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और निरपराध आमजन को निशाने पर लेने लगते हैं तो एक बात साफ हो जानी चाहिए कि फिर प्रशासन गुलाब के फूल देकर तो प्रदर्शन को नियंत्रित नहीं कर सकता हांलाकि प्रशासन को भी संयम बरतते हुए ही कदम उठाने चाहिए। दरअसल तस्वीर के दोनों पक्षों को देखना होगा। यदि प्रदर्शन सामान्य होता है और अनुमति प्राप्त शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो तो उस पर पुलिस प्रशासन की सख्ती को किसी भी हालात में स्वीकारा नहीं जा सकता पर प्रदर्शनकारियों द्वारा लक्ष्मण रेखा लांघी जाती है तो उस पर प्रशासन को भी कानूनी दायरें में रहते हुए कार्रवाई तो करनी ही पड़ेगी।

अब जयपुर के स्कूल की घटना का विश्लेषण करें तो हालात की ओर ध्यान दिलाना एक उचित कदम हो सकता है पर स्कूल या किसी भी सरकारी-गैरसरकारी संस्थान का निरीक्षण का अधिकार किस कानून ने दे दिया है। एक सीमा तक प्रदर्शन आपका अधिकार हो सकता है पर प्रदर्शन से माहौल को तनावपूर्ण और द्वेषतापूर्ण बनाने की किसी भी व्यवस्था में अनुमति नहीं दी जा सकती और नहीं दी भी जानी चाहिए। प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और आमजन को अपनी सीमाओं को समझना होगा। सुर्खियों में बनने के लिए कदम उठाना किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

क्या कभी सोचा है कि हमारे प्रदर्शन से प्रदर्शन वाले शहरवासियों को कितना प्रभावित करता है। प्रदर्शन वाले शहर का कहीं ज्यादा तो कहीं कम यातायात प्रभावित हो जाता है। निजी व सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बाधित हो जाती है। मरीजों व जरुरी काम वालों को बीच रास्ते अटकना पड़ जाता है। नौकरीपेशा या धंधे पर जाने वाले रास्ते में ही अटक जाते है। दैनिक काम के आधार पर रोजी रोटी कमाने वालों की मजदूरी अटक जाती है। शहर की सभी तरह की सप्लाई चैन बाधित हो जाती है। पुलिस प्रशासन व्यवस्था बनाये रखने के लिए व्यस्त हो जाता है तो लोगों में असुरक्षा की भावना बनती है और बाहर निकलने से पहले सोचने को मजबूर हो जाते हैं। और अब तो प्रशासन द्वारा ऐसे शहरों में इंटरनेट बंद करने तक का निर्णय कर लिया जाता है जिससे सामान्य गतिविधियां, बैंकिंग व्यवस्था, सूचनाओं का आदान-प्रदान और पढ़ाई-लिखाई तक पर असर पड़ता है। ऐसे में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी कि शहर को बेवजह बंधक बनाने की इजाजत कैसे दी जा सकती है।

प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। पहले तो प्रशासन को भी चाहिए कि प्रदर्शन आदि के लिए ऐसा स्थान निर्धारित हो जहां से सामान्य जनजीवन किसी तरह से प्रभावित ना हो सके। आम जन, शहरी यातायात, शहर का दैनिक जनजीवन किसी तरह से प्रभावित ना हो। ऐसी व्यवस्था हो जिससे प्रदर्शनकारियों की बात वे जहां पहुंचाना चाहते हैं वहां तक पहुंचाई जा सके। प्रदर्शनकारियों को भी प्रदर्शन के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। असामाजिक तत्वों को किसी तरह का मौका ही नहीं दिया जाना चाहिए। जब किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा या गलत गतिविधियां होने लगती है और व्यवस्था हाथों से निकलने लगती है व प्रशासन द्वारा सख्ती होती है तो यह सामान्य जबाव होता है कि हिंसा या हालात बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्व उनमें से नहीं थे पर ऐसा कहने मात्र से जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता। इसलिए दिल्ली उच्च न्यायालय व न्यायालयों द्वारा पूर्व में भी दी गई टिप्पणियों को गंभीरता से प्रदर्शनकर्ताओं और प्रशासन दोनों को समझना होगा व दोषारोपण के नाम पर जिम्मेदारी से भागने की इजाजत किसी भी हालत में नहीं दी जा सकती। अपनी बात कहने के अधिकार के साथ दूसरों के मौलिक अधिकारों का भी सम्मान करना होगा। कानून व्यवस्था को हाथ में लेने या सीमाओं को लांघने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बढ़ती कीमतों से कम हुआ चीनी का सेवन, जानें मीठा कम खाना अच्छा या बुरा?

(रीतेश कुण्डले)

क्या आप भी चीनी पूरी तरह से छोड़ रहे हैं? इस खबर में जानें कि ऐसा करने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ता है। पिछले एक साल में चीनी की रिटेल और होलसेल कीमतों में लगभग 40 फीसदी से 50 फीसदी की भारी बढ़ोतरी देखी गई है. उत्तराखंड, पंजाब, मध्य प्रदेश और ओडिशा समेत आठ राज्यों में चीनी की कीमतें 65-70 रूपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई हैं.

त्योहारों के मौसम की शुरुआत में कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी ने घरों के किचन बजट को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. हालांकि, दूसरी तरफ देखें तो हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना ??है कि कीमतों में इस बढ़ोतरी से लोग चीनी का सेवन कम कर सकते हैं, जो कि एक बहुत अच्छी बात है. डॉक्टर ऐसा क्यों कह रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि चीनी एक कार्बोहाइड्रेट है. शरीर इसे ग्लूकोज में तोड़ता है, जिससे आपको जरूरी एनर्जी मिलती है. हालांकि, कुछ तरह की चीनी फलों और डेयरी प्रोडक्ट्स में नेचुरली पाई जाती है, जबकि दूसरी तरह की चीनी नुकसानदायक चीजों से मिलती है. इन्हें अपनी रोज की डाइट में शामिल करने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है. भले ही चीनी शरीर को ग्लूकोज के रूप में एनर्जी देती है, लेकिन यह ब्लड शुगर लेवल भी बढ़ाती है. समय के साथ, इससे डायबिटीज हो सकती है. इसीलिए आजकल बहुत से लोग चीनी खाना पूरी तरह छोड़ रहे हैं।

लेकिन, क्या आप जानना चाहते हैं कि चीनी कम खाने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ता है? अगर हां, तो नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार चीनी का सेवन कम करने से वजन काफी कम हो सकता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि चीनी में 'खाली कैलोरी' ज्यादा होती है. ये कैलोरी भूख बढ़ाती हैं और ज्यादा खाने की आदत डालती हैं. चीनी से परहेज करके आप अपनी भूख को नियंत्रित कर सकते हैं और ज्यादा खाने से बच सकते हैं, जिससे वजन कम होता है।

चीनी से ब्लड ग्लूकोज का स्तर तेजी से बढ़ता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं और ऊर्जा के स्तर में उतार-चढ़ाव आ सकता है. चीनी का सेवन कम करने से रक्त और शरीर में ग्लूकोज का स्तर स्थिर रहता है, जिससे दिन भर आपकी ऊर्जा का स्तर बना रहता है।

अधिक चीनी का सेवन मुंहासे और रोसैसिया जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है. इसे कम करने से मुंहासे और सूजन कम हो सकती है और त्वचा साफ और चमकदार बन सकती है।

जब आप चीनी का सेवन कम करते हैं, तो आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल अपने आप कम हो जाता है. फैट का जमा होना, जो दिल की बीमारी का कारण है रुक जाता है. नतीजतन, आपका दिल ज्यादा हेल्दी हो जाता है।

बहुत से लोगों को पता नहीं होता कि चीनी का सेवन कॉग्निटिव फंक्शन पर भी असर डालता है. ज्यादा चीनी लेने से ब्रेन फॉग हो सकता है. इसे कम करने से मेंटल क्लैरिटी, कॉन्संट्रेशन और कॉग्निटिव परफॉर्मेंस में सुधार हो सकता है। बहुत ज्यादा चीनी खाने से ब्लड शुगर लेवल ऊपर-नीचे हो सकता है, जिससे मूड में उतार-चढ़ाव आ सकता है. चीनी का सेवन कम करने से मानसिक स्थिरता बढ़ सकती है, दिमाग की सेहत बेहतर हो सकती है और मूड को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है। ज्याद चीनी वाली डाइट से पेट के बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे पेट फूलने और गैस जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. चीनी का सेवन सीमित करने से पेट का माइक्रोबायोम स्वस्थ रहता है, जिससे पाचन और पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। हर कोई जानता है कि ज्यादा मीठा खाने से दांतों की समस्याएं हो सकती हैं, जैसे दांतों का सड़ना और कैविटी. इसलिए, चीनी का सेवन कम करने से आप दांतों की इन समस्याओं से बच सकते हैं।

कूटनीतिक मोर्चे पर उलझा बांग्लादेश

बांग्लादेश के आर्थिक विकास, पूर्वोत्तर भारत के साथ संपर्क, क्षेत्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और बंगाल की खाड़ी के रणनीतिक मसलों में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वहीं, भारत के लिए भी स्थिर, शांतिपूर्ण और सहयोगी बांग्लादेश उसके पूर्वी पड़ोस की सुरक्षा और एक्ट ईस्ट नीति के लिए अहम है। ढाका अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सम्मान को लेकर स्पष्ट होना चाहता है, लेकिन उसे यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय हित के बीच टकराव पैदा करना कूटनीति नहीं है।

(ब्रह्मदीप अलूने)

इसमें दोराय नहीं कि अविश्वास की कूटनीति के सहारे पड़ोसियों से अच्छे संबंध कायम नहीं किए जा सकते। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नीति में भारत को लेकर सबसे बड़ी चिंता यही है कि वे नई दिल्ली को एक संभावित साझेदार से अधिक संशय की दृष्टि से देख रहे हैं।

बांग्लादेश से सकारात्मक संबंधों की राजनयिक कोशिशों की दिशा में तारिक रहमान को द्विपक्षीय यात्रा और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित करके भारत ने एक अच्छी पहल की थी, लेकिन ढाका की ओर से अनुकूल वातावरण, सम्मानजनक निमंत्रण और अन्य राजनीतिक अपेक्षाओं को सामने रखकर दूरी बनाए जाने के संकेत मिले है।

बांग्लादेश के आर्थिक विकास, पूर्वोत्तर भारत के साथ संपर्क, क्षेत्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और बंगाल की खाड़ी के रणनीतिक मसलों में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वहीं, भारत के लिए भी स्थिर, शांतिपूर्ण और सहयोगी बांग्लादेश उसके पूर्वी पड़ोस की सुरक्षा और एक्ट ईस्ट नीति के लिए अहम है। ढाका अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सम्मान को लेकर स्पष्ट होना चाहता है, लेकिन उसे यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय हित के बीच टकराव पैदा करना कूटनीति नहीं है।

मजबूत विदेश नीति वह होती है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए संवाद के रास्ते खुले रखे। इसलिए तारिक रहमान के सामने चुनौती भारत से दूरी बनाने की नहीं, बल्कि अविश्वास को संवाद में बदलने की है। यदि उनकी बांग्लादेश प्रथम की नीति वास्तव में राष्ट्रीय हित को केंद्र में रखती है, तो भारत से व्यावहारिक और स्थिर संबंध उसका महत्त्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। भारत के प्रति संशय यदि तारिक रहमान की विदेश नीति का स्थायी आधार बनता है, तो यह केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों की राह में बाधा नहीं बनेगा, बल्कि अंततः बांग्लादेश के अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों को भी सीमित कर सकता है।

बांग्लादेश में तारिक रहमान के सत्ता में आने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि भारत से संबंधों में एक नई शुरुआत होगी। शेख हसीना के दौर के बाद द्विपक्षीय रिश्तों में आई कड़वाहट को कम करने और व्यावहारिक कूटनीति को आगे बढ़ाने की जरूरत दोनों पक्ष महसूस कर रहे थे। रहमान ने भी भारत से संबंध सुधारने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की जरूरत पर बल दिया था। मगर हाल के घटनाक्रमों ने इन उम्मीदों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

भारत ने बांग्लादेश को केवल पड़ोसी देश के रूप में नहीं, बल्कि अपने व्यापक क्षेत्रीय हितों के महत्त्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा है। इसी दृष्टि से भारत ने रहमान को सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया था। मगर उनका इससे दूरी बनाने का संकेत भारत के लिए स्वाभाविक रूप से निराशाजनक है। इससे यह संदेश जाता है कि बांग्लादेश की नई सरकार भारत के साथ संबंधों को केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के आधार पर नहीं, बल्कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे राजनीतिक प्रश्नों के संदर्भ में भी देख रही है। यहीं से समस्या अधिक जटिल हो जाती है।

भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध केवल दो सरकारों के रिश्ते नहीं हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, नदी जल, ऊर्जा, संपर्क, सुरक्षा और पूर्वोत्तर भारत की स्थिरता जैसे अनेक साझा हित जुड़े हैं। इसलिए किसी एक राजनीतिक विवाद को पूरे द्विपक्षीय संबंधों का आधार बना देना दोनों के दीर्घकालिक हित में नहीं होगा।

शेख हसीना का मुद्दा निश्चित रूप से संवेदनशील है। ढाका लगातार उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है, जबकि भारत ने कहा है कि वह इस अनुरोध को कानूनी ढांचे के तहत देख रहा है। मगर बांग्लादेश की विदेश नीति का केंद्रीय आधार यदि भारत पर दबाव बनाना और घरेलू राजनीतिक समर्थन हासिल करना बन जाता है, तो इससे संबंधों में स्थायी अविश्वास पैदा हो सकता है। कूटनीति में विदेश यात्राएं केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं होतीं, वे राजनीतिक विश्वास, संवाद की इच्छा और रिश्तों की दिशा का संकेत भी देती हैं। मगर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत यात्रा के इसी कूटनीतिक और राजनीतिक महत्त्व को शर्तों के पीछे रखकर कमजोर करने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

इसमें उनकी मां खालिदा जिया की विदेश नीति की छाया नजर आती है। दरअसल, रहमान को अपनी मां की राजनीतिक विरासत और बांग्लादेश के राष्ट्रीय हित के बीच अंतर समझना होगा। उनकी भारत से दूरी के पीछे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, राष्ट्रवाद, इस्लामी राजनीति, पाकिस्तान के साथ बदलते रिश्ते और भारत के प्रति दशकों से चली आ रही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी काम कर रही है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की राजनीति में भारत के प्रति संदेह नया नहीं है। खालिदा जिया के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत से संबंधों में कई बार तनाव दिखाई देता था। सुरक्षा, सीमा, जल बंटवारा और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के साथ संपर्क जैसे मुद्दे द्विपक्षीय संबंधों में विवाद के विषय बने रहे।

वर्ष 2001 से 2006 के दौरान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार में जमात-ए-इस्लामी के गठबंधन ने बांग्लादेश की राजनीति को अलग दिशा दी थी। इससे भारत में यह आशंका बढ़ी कि ढाका में ऐसी शक्तियों का प्रभाव बढ़ रहा है, जो भारत के प्रति अधिक संदेहपूर्ण और पाकिस्तान के प्रति अपेक्षाकृत नरम है।

इसके विपरीत, शेख हसीना की अवामी लीग ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की विरासत, धर्मनिरपेक्षता और भारत के साथ ऐतिहासिक संबंधों को अपनी राजनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनाया। यही कारण है कि हसीना के शासनकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में अभूतपूर्व विस्तार दिखा। मगर रहमान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के संबंधों में नई सक्रियता दिख रही है। पाकिस्तान की ओर से व्यापार, संपर्क, शिक्षा और दोनों ओर के लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने की कोशिशें भी बढ़ी हैं। हालांकि, बांग्लादेश के लिए बेहतर यही होना चाहिए कि वह भारत से अपने भौगोलिक, आर्थिक व रणनीतिक हितों को समान रूप से महत्त्व देता रहे।

तारिक रहमान अगर भारत विरोध को अपनी राष्ट्रवादी राजनीति का स्थायी आधार बनाते हैं, तो अल्पकाल में उन्हें राजनीतिक लाभ मिल सकता है, लेकिन उन्हें यह समझना होगा की शासन केवल राष्ट्रवादी नारों से नहीं चलता। बांग्लादेश को आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार, निवेश, निर्यात बाजार, क्षेत्रीय जुड़ाव और स्थिरता की जरूरत है। इन सभी क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

इसलिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को यह तय करना होगा कि वे भारत को अपने घरेलू राजनीतिक विमर्श का विरोधी बनाना चाहते हैं या बांग्लादेश के आर्थिक विकास का साझेदार। चीन के साथ भी बांग्लादेश की नजदीकियां बढ़ रही हैं। उसके लिए चीन अहम आर्थिक साझेदार हो सकता है, लेकिन वह भारत का विकल्प नहीं है।

भारत और बांग्लादेश की साझा सीमा, व्यापार, ऊर्जा, जल, संपर्क एवं सुरक्षा हित उन्हें एक-दूसरे से गहराई से जोड़ते हैं। इसलिए बांग्लादेश की दीर्घकालिक समृद्धि और रणनीतिक स्थिरता के लिए भारत के साथ सहयोग को प्राथमिकता देना उसके राष्ट्रीय हित में है। वास्तव में भारत के साथ बेहतर संबंध बांग्लादेश को अधिक विकल्प, बेहतर संपर्क और रणनीतिक एवं व्यापक आर्थिक अवसर दे सकते हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार है)

अबूझमाड़ के दूरस्थ गांवों में 44वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों और ग्रामीण बहनों ने साथ मनाया रक्षाबंधन

नारायणपुर। अबूझमाड़ के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में तैनात 44वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के सीओबी धोबे, सीओबी डोडीमार्का, सीओबी पाड़मेटा, सीओबी लंका एवं सामरिक मुख्यालय सुपगांव कैंपों में रक्षाबंधन का पावन पर्व स्थानीय ग्रामीणों के साथ हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। अबूझमाड़ अपने दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र, घने जंगलों और सीमित आवागमन सुविधाओं के कारण लंबे समय से देश के कठिन क्षेत्रों में शामिल रहा है। ऐसे दूरस्थ गांवों में तैनात सुरक्षा बल केवल सुरक्षा दायित्वों का निर्वहन ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय के साथ निरंतर संवाद एवं सहभागिता के माध्यम से विश्वास और आपसी संबंधों को मजबूत करने का प्रयास भी कर रहे हैं। इसी भावना के तहत रक्षाबंधन के अवसर पर आसपास के गांवों की महिलाओं एवं बालिकाओं ने कैंपों में पहुंचकर जवानों की कलाई पर राखी बांधी तथा उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। जवानों ने भी ग्रामीण बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूरस्थ एवं कठिन परिस्थितियों में अपने परिवारों से दूर रहकर राष्ट्र की सेवा कर रहे जवानों के साथ स्थानीय बहनों द्वारा रक्षाबंधन मनाना भावनात्मक रूप से विशेष रहा। इस दौरान जवानों एवं ग्रामीणों के बीच प्रेम, विश्वास, अपनत्व और भाईचारे का वातावरण देखने को मिला। ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने इन कैंपों में रक्षाबंधन की खुशियों को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर जवानों ने भी ग्रामीणों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं और उन्हें हर संभव सहयोग एवं सुरक्षा का विश्वास दिलाया। रक्षाबंधन का यह आयोजन अबूझमाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों में सुरक्षा बल एवं स्थानीय समुदाय के बीच मजबूत होते विश्वास, सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द का सुंदर उदाहरण बना। रक्षाबंधन के पावन पर्व ने अबूझमाड़ की दूरस्थ धरती पर भाई-बहन के रिश्ते के साथ-साथ जवानों और ग्रामीणों के बीच विश्वास एवं अपनत्व की डोर को भी और मजबूत किया।

महतारी वंदन की राशि से बेटी का संवार रही भविष्य, हर माह सुकन्या समृद्धि में जमा करती हैं 200 रुपए

नारायणपुर। महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ उनके परिवार के भविष्य को बेहतर बनाने का माध्यम भी बन रही है। जिले के ओरछा विकासखंड के ग्राम रानीबेड़ा निवासी श्रीमती दयारो बती नुरेटी इस योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर रही हैं। श्रीमती दयारो बती नुरेटी बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत उनके खाते में हर माह मिलने वाली राशि से वे परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही अपनी बेटी के भविष्य के लिए भी बचत कर रही हैं। वे हर माह 200 रुपए की राशि सुकन्या समृद्धि योजना में अपनी बेटी के नाम जमा करती हैं। उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी बचत भविष्य में बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहायक होती है। इसी सोच के साथ वे महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि में से 200 रुपए अपनी बेटी के नाम सुरक्षित भविष्य के लिए जमा कर रही हैं। उनका उद्देश्य है कि जब बेटी बड़ी हो, तो उसकी पढ़ाई, शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं के लिए परिवार के पास आर्थिक सहारा उपलब्ध हो। दयारो बती कहती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने महिलाओं को अपनी जरूरतों के संबंध में निर्णय लेने और परिवार के भविष्य के लिए कुछ बचत करने का अवसर दिया है। पहले जहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब योजना की राशि से वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ बेटी के भविष्य के लिए भी योगदान कर पा रही हैं। दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में रहने वाली दयारो बती की यह पहल यह संदेश देती है कि बेटी के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि नियमित रूप से की गई छोटी-छोटी बचत भी महत्वपूर्ण होती है। महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता को बचत से जोड़कर उन्होंने अपनी बेटी के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाया है।आज दयारो बती जैसी महिलाएं सरकारी योजनाओं से मिलने वाली सहायता का उपयोग केवल वर्तमान की जरूरतों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव मजबूत करने के लिए भी कर रही हैं।

मनीष टेम्पा योगी बने छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के संभागीय संगठन महामंत्री

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने संगठन का विस्तार करते हुए मनीष टेम्पा योगी को बस्तर संभाग के संभागीय संगठन महामंत्री की एक बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी इस नियुक्ति से पूरे बस्तर संभाग सहित भानुप्रतापपुर क्षेत्र के पिछड़ा वर्ग समाज में उत्साह और खुशी का माहौल है। मनीष टेम्पा योगी लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और ओबीसी (सर्व पिछड़ा वर्ग) समाज के अधिकारों, उत्थान तथा कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करते आ रहे हैं। उनकी कार्यकुशलता, निष्ठा और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ने उन पर यह भरोसा जताया है। उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा होते ही समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। समाज के प्रमुख लोगों का कहना है कि मनीष टेम्पा योगी के अनुभव, कुशल नेतृत्व और कर्मठता से संगठन को धरातल पर नई ऊर्जा, स्पष्ट दिशा और अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी।

पिछड़ा वर्ग के हक और अधिकारों की लड़ाई होगी तेज

अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए मनीष टेम्पा योगी ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग के प्रत्येक जिले और ब्लॉक स्तर पर सर्व पिछड़ा वर्ग समाज को संगठित करना, समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं व अधिकारों का लाभ पहुंचाना और सामाजिक चेतना जगाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

बधाइयों का लगा तांता

मनीष टेम्पा योगी को संभागीय संगठन महामंत्री बनाए जाने पर भानुप्रतापपुर सहित संभाग भर के सामाजिक कार्यकर्ताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई और उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं।

उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की कवायद जनपद उपाध्यक्ष के खिलाफ पक्ष व विपक्ष एकजुट

डोंगरगांव नगर। जनपद पंचायत डोंगरगांव में उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए कलेक्टर राजनांदगांव को दाखिल अर्जी की प्रति वायरल हुई है। वायरल पत्र में उपाध्यक्ष मनीष साहू के खिलाफ अध्यक्ष सहित लगभग 18 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। उक्त पत्र में सत्तापक्ष के सदस्यों के साथ ही विपक्ष के भी सभी 7 सदस्यों के हस्ताक्षर से हड़कंप मच गया है। उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत डोंगरगांव में भी प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ही काबिज है। जनपद के 20 सीटों में भाजपा समर्थित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित 13 सदस्य हैं, जबकि कांग्रेस समर्थित 7 सदस्य हैं। जनपद उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए सक्षम अधिकारी कलेक्टर के समक्ष 31 अगस्त 2926 को दाखिल अर्जी की वायरल प्रति में विपक्ष के सभी 7 सदस्यों सहित पक्ष के 11 यानी कुल 18 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं, हालांकि प्रति में एक भाजपा समर्थित सदस्य जया तिमेश साहू के हस्ताक्षर नही हैं। वायरल पत्र मुताबिक अध्यक्ष सहित सदस्यों ने कलेक्टर के समक्ष सौंपे प्रारूप में अविश्वास प्रस्ताव लाने हेतु उपाध्यक्ष द्वारा 15वें वित्त के कार्यों को अपने निर्वाचन क्षेत्र में अधिक स्वीकृत कराने, धर्मस्व विभाग के स्वीकृत कार्यों में ठेकेदारी करने के लिए ग्राम पंचायतों में दबाव, जलाशयों में अनियमितता, शिक्षा समिति के प्रस्ताव व अनुमोदन को सभा मे नही रखने सहित सदस्यों से अभद्रतापूर्वक बर्ताव करने के आरोप लगाये हैं। सूत्रों की माने तो पंचायतीराज अधिनियम अंतर्गत अविश्वास प्रस्ताव हेतु किसी संस्था में कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई एवं तीन चौथाई सँख्या की दरकार होती है। वहीं दोनों ही अर्हता एक साथ पूर्ण होने अथवा दोनों शर्तें लागू होने पर ही अविश्वास प्रस्ताव लाकर वोटिंग की प्रक्रिया संपादित कराई जाती है। फिलहाल दाखिल अर्जी में दो तिहाई यानी 14 एवं तीन चौथाई यानी 15 सदस्यों की संख्या से अविश्वास प्रस्ताव बेहद दमदार नजर आ रहा है। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव का वास्तविक निष्कर्ष वोटिंग दरम्यान परिणाम पश्चात ही निकल कर सामने आयेगा। बहरहाल अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का आधिकारिक बयान नही आ सके हैं।

भाजपा व कांग्रेस एकजुट कैसे ?

जनपद उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पक्ष यानी भाजपा व विपक्ष यानी कांग्रेस की एकजुटता चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल जनपद में कांग्रेस व भाजपा कभी भी एकजुट नही रही है। फिलहाल भाजपा की अंदरूनी कलह की आग में कांग्रेस रोटी सेंकते नजर आ रही है।

नेताओं का दबाव या दखलंदाजी

सूत्रों की माने तो जनपद में अध्यक्ष उपाध्यक्ष निर्वाचन के बाद से ही जनपद से बाहर से बड़े नेताओं द्वारा जनपद के पदाधिकारियों को दबाव तथा दखलंदाजी की खबरें उभरकर सामने आती रही हैं। हालांकि उपाध्यक्ष मनीष साहू की भाजपा में ब्लॉक से लेकर जिला मुख्यालय में सक्रियता जरूर फर्क पैदा करेगी। बहरहाल इस घटनाक्रम में सत्ताधारी पार्टी भाजपा को हो क्षति पहुंचते के आसार हैं।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुनरीक्षण समिति की बैठक 02 सितम्बर को

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में 02 सितम्बर को सांयकाल 05 बजे कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुनरीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई है। जिसमें बैंकों की जमा अग्रिम, ऋण जमा अनुपात सहित किसान क्रेडिट कार्ड प्रदाय स्थिति, प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना इत्यादि की समीक्षा की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अलावा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खादी एवं ग्रामोद्योग, अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, पशुपालन एवं मत्स्यपालन विभाग के स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक में सर्व संबंधित अधिकारियों एवं बैंकर्स को अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी और अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रेजेन्टेशन के आधार पर योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति की समीक्षा की गई। उनके द्वारा मुख्यमंत्री जनदर्शन, सीएम हेल्पलाईन और कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त पत्रों को समय-सीमा के भीतर निराकृत करने कहा गया, साथ ही सभी विभागों को ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग, आदिवासी विकास विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, जिला विपणन सहकारी संघ सहित विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में प्रगति की समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन के कार्य, बस्तर मुन्ने के अंतर्गत संतृप्तिकरण, एग्रीस्टैक पंजीयन एवं जर्जर स्कूल भवनों, आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड बनाने इत्यादि की समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर अंतागढ़ ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना तोकापाल विकासखण्ड के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र चैतुपारा टेकामेटा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा बड़ेमारेंगा मुण्डापारा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 02 सितम्बर से 9 सितम्बर तक ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित ऑनलाइन लिंक https://aww.e-bharti.in/ पर किए जाएंगे। भर्ती संबंधी पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना, दरभा से कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

बहुला चौथ व्रत पर महिलाओं ने निर्जला उपवास रखते हुए की गौ माता एवं भगवान श्री गणेश की पूजा

भानुप्रतापपुर। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सोमवार को बहुला चौथ का पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने संतान की सुख-समृद्धि, दीर्घायु एवं परिवार की खुशहाली की कामना को लेकर व्रत रखा। नगर सहित अंचल में बहुला चौथ पर गौ माता और बछड़े की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। व्रती महिलाओं ने शाम को गौ माता को तिलक लगाकर फूल, अक्षत, धूप-दीप अर्पित किए तथा हरा चारा और गुड़ खिलाकर पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण एवं भगवान गणेश की भी विधिवत पूजा की गई। पूजन के बाद महिलाओं ने बहुला चौथ की व्रत कथा सुनी और गौ माता की परिक्रमा कर परिवार की सुख-शांति एवं संतान के मंगल की प्रार्थना की। धार्मिक मान्यता के अनुसार बहुला चौथ का व्रत संतान के कल्याण और परिवार में सुख-समृद्धि की कामना से किया जाता है। इस अवसर पर भोग के लिए जवा के लड्डू,सिंघाड़ा, तीखुर, एवं फल नारियल केला सेव पारंपरिक पकवान बनाकर भोग लगा गया।

बस्तर के ज्ञानगुड़ी से निकले चार हीरे : पहले ही राउंड में एमबीबीएस सीट पक्की

जगदलपुर। बस्तर के दूरदराज अंचलों में छिपी प्रतिभाएं जब सही मार्गदर्शन पाती हैं, तो वे बड़े से बड़े मुकाम को हासिल कर इतिहास रच देती हैं। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा संचालित निशुल्क 'ज्ञानगुड़ी' कोचिंग संस्थान ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता और उत्कृष्टता साबित की है। संस्थान के चार होनहार विद्यार्थियों ने नीट के पहले ही चरण की काउंसलिंग में सफलता का परचम लहराते हुए प्रतिष्ठित शासकीय कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटें सुरक्षित कर ली हैं। इस उपलब्धि के तहत समीर मरकाम और गीतेश्वरी सलाम को शासकीय मेडिकल कॉलेज डिमरापाल जगदलपुर और कुमारी कृष्णा सेन को कांकेर मेडिकल कॉलेज तथा खुशबू बिस्वास को पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में प्रवेश मिला है। सफलता की इस ऐतिहासिक घड़ी में चयनित विद्यार्थियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर बस्तर कलेक्टर छिकारा से सौजन्य मुलाकात की और अपनी सफलता का श्रेय उनके निरंतर मार्गदर्शन को दिया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों के इस असाधारण प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी और भविष्य की उच्च शिक्षा में डिजिटल सहायता के उद्देश्य से सभी को टैबलेट उपहार स्वरूप भेंट किए। इस दौरान उन्होंने सफल छात्रों, उनके शिक्षकों और अभिभावकों की मेहनत की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से भावुक अपील की कि वे अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के उपरांत वापस बस्तर आकर यहीं के जरूरतमंद लोगों और समाज की सेवा में अपना योगदान दें। छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कलेक्टर छिकारा द्वारा पूरे वर्ष दिए गए अध्ययन और तैयारी के पिन-पॉइंट सुझावों ने उनकी रणनीति को मजबूत बनाया, जिसके दम पर वे पहले ही प्रयास में इस प्रतिष्ठित मुकाम तक पहुंच सके। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर छिकारा लगातार ज्ञानगुड़ी केंद्र का दौरा कर स्वयं छात्रों की काउंसलिंग करते रहे हैं और अपनी पढ़ाई व यूपीएससी की तैयारी के व्यावहारिक अनुभवों से उन्हें प्रेरित करते रहे हैं। इसी समर्पित प्रयास का परिणाम है कि संस्थान के 90 में से 50 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की और उनमें से चार बच्चों ने पहले ही राउंड में सीधे एमबीबीएस सीट हासिल कर ली।

पंडरीपानी चोरीकांड में पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल, चोरी का माल खरीदने वाले पर कार्रवाई कब?

तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी की कुछ संपत्ति बरामद; शेष सामान की बरामदगी और कथित खरीदार पर कार्रवाई को लेकर पत्रकारों ने एसपी से की शिकायत

भटगांव। ग्राम पंडरीपानी में 18 अगस्त को हुई चोरी के मामले में बिलाईगढ़ पुलिस द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजे जाने के बाद अब पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं। चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपियों के कथित मेमोरेंडम के आधार पर चोरी की संपत्ति का एक हिस्सा बरामद किया गया है, जबकि चोरी के शेष सामान की बरामदगी अभी बाकी बताई गई है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रार्थी श्रवण कुमार रात्रे के मकान से सोने-चांदी के जेवरात चोरी हुए थे। मामले में सुमित कुमार लहरे, देवा रात्रे और मनीष कुमार महिलागे को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से 9 नग सोने के फर माला की पत्तियां, एक चांदी का पायल, 5 तोला चांदी का माला, एक मोबाइल फोन तथा 4 हजार रुपये नकद बरामद करने की जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार चोरी के सामान में से कुछ कुछ संपत्ति बरामद हुई है, लेकिन चोरी के शेष सामान की बरामदगी अब तक नहीं हुई है। साथ ही चोरी की संपत्ति की खरीद-फरोख्त से जुड़े व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि चोरी के शेष सामान को बरामद किया जाए तथा चोरी की संपत्ति खरीदने अथवा उसे अपने कब्जे में रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

आखिर शेष चोरी का माल कहां है?

पुलिस के अनुसार चोरी में करीब 11 ग्राम सोना और 85 तोला चांदी शामिल थी। इसमें से 9 नग फर माला, एक चांदी का पायल, 5 तोला चांदी का माला और 4 हजार रुपये बरामद होने की जानकारी दी गई है। वहीं पुलिस के अनुसार सो7ने के अन्य आभूषण, कान के टॉप्स, नाक की फुली तथा चांदी के अन्य जेवरों की बरामदगी शेष है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि चोरी का शेष माल आखिर कहां गया? क्या चोरी के जेवर किसी अन्य व्यक्ति को बेचे गए? यदि बेचे गए तो उनकी खरीद-फरोख्त में शामिल लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई हुई? पत्रकारों ने इन्हीं सवालों को लेकर पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि चोरी का सामान किसी व्यक्ति ने खरीदा या अपने कब्जे में रखा था, तो उसकी भूमिका की पूरी जांच क्यों नहीं हुई? जानकारी के अनुसार चोरी के सामान को खरीदने वाला कथित साहूकार जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। चर्चा है कि पुलिस उसे पूछताछ के लिए बिलाईगढ़ थाना लेकर आई थी और करीब 4 से 6 घंटे तक थाने में बैठाए रखने के बाद छोड़ दिया गया। हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। यही घटनाक्रम अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है यदि उक्त व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध नहीं थी तो उसे थाना क्यों लाया गया? और यदि उसकी भूमिका संदिग्ध थी तो पूछताछ के बाद उसे छोड़ने का आधार क्या था? क्या उसके पास चोरी की संपत्ति पहुंची थी? क्या उससे कोई बरामदगी हुई? क्या उसका बयान दर्ज किया गया?

विद्युत मंडल भानुप्रतापपुर डिविजन के शहरी व ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत शिविर का आयोजन

उपभोक्ताओं से लिए जायेंगे आवेदन, योजनाओं की जानकारी भी दी जायेगी

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा दिए गए निर्देशानुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, इन शिविरों में योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, साथ ही सोलर प्लांट लगाने के इच्छुक उपभोक्ताओं से आवेदन पत्र भी लिए जाएंगे। जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत आवासीय परिसरों में उपभोक्ताओं को योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान करने के साथ ही इच्छुक उपभोक्ताओं से आवेदन प्राप्त करने के लिए विद्युत मंडल कांकेर डिविजन के अलावा भानुप्रतापपुर डिविजन में भी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस योजनांतर्गत 01 सितंबर मंगलवार को नगर पंचायत क्षेत्र अंतागढ़ के सामुदायिक भवन नगर पंचायत कार्यालय के पास शिविर लगाया जाएगा। इसी प्रकार 02 सितंबर बुधवार को नगर पंचायत क्षेत्र भानुप्रतापपुर अंतर्गत जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर के सभाकक्ष और 03 सितंबर गुरुवार को ग्राम पंचायत कोरर के सामुदायिक भवन में शिविर लगाया जाएगा। सोलर प्लांट लगवाने के इच्छुक उपभोक्ता उक्त शिविर में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत आवासीय परिसरों में सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत सोलर प्लांट लगवाने पर 01 किलोवाट क्षमता के लिए 45 हजार रुपए, 02 किलोवाट क्षमता के लिए 90 हजार रुपए और 03 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट स्थापित करने पर 01 लाख 08 हजार रुपए की सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है। उपभोक्ता इस अवसर का फायदा उठाते हुए अपने घरों में सोलर प्लांट लगवा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सर्पदंश से पीड़ित छात्र का जिला अस्पताल में उपचार जारी, कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर जाना स्वास्थ्य का हाल

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। ग्राम कोटमी विकासखंड पेण्ड्रा स्थित छात्रावास के एक बालक को सर्पदंश के बाद उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। बालक का चिकित्सकीय उपचार एवं निगरानी चिकित्सकों की देखरेख में जारी है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज जिला चिकित्सालय पहुंचकर सर्पदंश से पीड़ित बालक के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से उसके उपचार एवं स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालक के स्वास्थ्य पर निरंतर नजर बनाए रखने और आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामेश्वर शर्मा तथा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिलेवासियों से अपील की है कि बारिश के मौसम में सर्प, बिच्छू एवं अन्य जहरीले कीड़े-मकोड़ों के काटने की घटनाओं के प्रति विशेष सावधानी बरतें। ऐसी स्थिति में घबराने या झाड़-फूंक एवं घरेलू उपचार के चक्कर में समय गंवाने के बजाय पीड़ित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र अथवा अस्पताल ले जाएं, ताकि समय पर आवश्यक चिकित्सकीय उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि सर्पदंश जैसी आपात स्थिति में समय पर अस्पताल पहुंचना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रामीणजन अपने आसपास साफ-सफाई रखें, झाड़ियों एवं अंधेरे स्थानों में जाते समय विशेष सावधानी बरतें तथा किसी भी विषैले जीव के काटने की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें।

डॉक्टरों की अनुपस्थिति की खबर पर कलेक्टर गंभीर, सीएमएचओ से तत्काल मंगाया जांच रिपोर्ट

बिलासपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवरीखुर्द में डॉक्टरों की अनुपस्थिति संबंधी सूचना को कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मामले की तत्काल जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि 31 अगस्त को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवरीखुर्द में चिकित्सकों की अनुपस्थिति और मरीजों को उपचार के लिए इंतजार करने संबंधी खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुआ था। मामले को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को स्पष्टीकरण जारी किया गया है।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने स्पष्ट किया है कि शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समय पर उपस्थिति तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जांच में यदि किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता सामने आती है तो संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत सचिव मालती लोनिया सेवा से बर्खास्त

बिलासपुर। जिला पंचायत बिलासपुर की सामान्य प्रशासन समिति द्वारा पारित प्रस्ताव के परिपालन में तत्कालीन पंचायत सचिव जनपद पंचायत तखतपुर कु. मालती लोनिया को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। जिला पंचायत बिलासपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। कु. मालती लोनिया के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण में न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध पाए जाने के बाद उनके विरुद्ध पंचायत सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की गई। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में पारित प्रस्ताव के आधार पर उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

जनकल्याणकारी योजनाओं में लक्ष्य अनुरूप प्रगति और जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर समय-सीमा में करें निराकरण-कलेक्टर विजय

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिले में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों की विभागवार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने तथा आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की नियमित एवं व्यक्तिगत स्तर पर मॉनिटरिंग करने तथा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता और संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आमजन के बीच शासन की शिकायत निवारण व्यवस्था के प्रति सकारात्मक संदेश पहुंचे। बैठक में कलेक्टर ने वन आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित करने, धनपुर स्थित आदि शक्ति दुर्गा मंदिर में चढ़ावे एवं कीमती हार, गहने आदि वस्तुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी विभागों में ई-ऑफिस की उपयोगिता सुनिश्चित करने कहा। इसके साथ ही लाइवलीहुड कॉलेज, नवीन कन्या महाविद्यालय तथा मरवाही में सहकारी बैंक की शाखा के लिए अंतिम रूप से भूमि चिन्हित करने और दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर आबादी भूमि के पट्टे प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला अस्पताल भवन के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने तथा जिला अस्पताल परिसर स्थित साधु हॉल में कैंटीन संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से संबंधित जानकारी ऑनलाइन करने तथा राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूलों में आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने, प्राथमिक शाला के बच्चों के जाति प्रमाण पत्र निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप बनाने तथा बैगा-गुनिया सम्मान योजना के तहत गौरेला एवं पेण्ड्रा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शीघ्र प्रस्ताव भेजने कहा। उन्होंने पीडीएस दुकानों में पर्याप्त खाद्यान्न भंडारण सुनिश्चित करने तथा दुकान संचालन में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना के आवेदन से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया ऑनलाइन करने, भारत पशु एप में पशुपालकों की जानकारी अद्यतन करने तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन एवं एनपीएस ट्रेडर्स योजना के तहत पात्र हितग्राहियों का पंजीयन बढ़ाने तथा जल वितरण संचालकों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण उपरांत उनके नियोजन की कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में ग्राम पंचायत कड़ार के सरपंच ब्रजेश दुबे ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत मुक्तिधाम में सामुदायिक शौचालय निर्माण की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत कड़ार के मुक्तिधाम में सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए नक्शा, खसरा, प्रस्ताव एवं ग्राम पंचायत की 15वें वित्त की सहमति सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं। उन्होंने कलेक्टर से कार्य की स्वीकृति एवं आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया। मस्तूरी विकासखंड के ग्राम पंधी (रॉक) के शाला विकास समिति के सदस्य जोहन वस्त्रकार द्वारा ग्राम के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी विद्यालय में अंग्रेजी विषय के व्याख्याता की व्यवस्था करने की बात कहीं गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में स्कूल में अंग्रेजी व्याख्याता का पद रिक्त है। उन्होंने छात्र संख्या को देखते हुए विद्यालय में तत्काल अंग्रेजी विषय के व्याख्याता की पदस्थापना किए जाने का अनुरोध किया है। ग्राम उसलापुर, वार्ड क्रमांक 03 निवासी प्रमोद कुमार टण्डन ने भारी बारिश के कारण कच्चा मकान गिर जाने का उल्लेख करते हुए आपदा प्रबंधन सहायता कोष से मकान निर्माण के लिए सहायता राशि स्वीकृत करने की मांग की।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

टीबी मरीजों को पोषण आहार का वितरण

बिलासपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत आज कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परिसर में उपचाररत टीबी मरीजों को पोषण आहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. रक्षित जोगी के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर मरीजों को घी, तेल, चना दाल, अरहर दाल, चावल, खजूर, भुना चना, सोयाबीन बड़ी सहित विभिन्न पौष्टिक खाद्य सामग्री प्रदान की गई। यह पोषण आहार डीआरवीए संस्थान, गुजरात द्वारा भारत सरकार की इकाई एनबीसीसी के सीएसआर मद से उपलब्ध कराया गया है। जिला क्षय अधिकारी डॉ. रक्षित जोगी ने बताया कि वर्तमान में जिले में लगभग 1600 टीबी मरीज उपचाररत हैं। डीआरवीए संस्थान द्वारा जिले के 200 टीबी मरीजों को लगातार छह माह तक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं जिले के शेष उपचाररत मरीजों को एसईसीएल एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से पोषण आहार का लाभ प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में डीपीसी ए. सरिता, एसटीएस गीता सक्सेना, माखन लाल भारती, जीवन महंत, टीबीएचव्ही सरस्वती साहू, भूपेंद्र श्रीवास, सरस्वती यादव तथा डीआरवीए संस्थान से योगिता बोरकर एवं अनी भूषण राय उपस्थित रहे।

कलेक्टर जनदर्शन का नाम अब हुआ कलेक्टर जनसुनवाई

■ जनसुनवाई में प्राप्त 25 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले कलेक्टर जनदर्शन का नाम अब 'कलेक्टर जनसुनवाई' कर दिया गया है। कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आज आयोजित कलेक्टर जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित कुल 25 आवेदन प्रस्तुत किए।कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण एवं जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए तथा आवेदकों को समय पर राहत उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाए। कलेक्टर ने शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने से संबंधित आवेदनों में पात्रता का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने एक आवेदक द्वारा स्कूल में बालिका शौचालय निर्माण की मांग पर संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आपसी समन्वय से आवश्यक कार्रवाई करते हुए स्कूलों में बालिका शौचालय निर्माण के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सहायता राशि, राशन प्राप्त नहीं होने, आंगनबाड़ी भवन की मरम्मत, अहाता निर्माण, मुक्तिधाम निर्माण, सड़क निर्माण, किचन शेड, लंबित पेंशन राशि तथा आधार कार्ड में नाम एवं जन्मतिथि सुधार सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

मेहनत को मिला योजनाओं का संबल, सीता मरावी बनीं गांव की 'लखपति दीदी'

■ स्वसहायता समूह से जुड़कर बदली जिंदगी, किराना और मुर्गी व्यवसाय से बढ़ी आमदनी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत गुदुमदेवरी की श्रीमती सीता मरावी आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। कभी सीमित आय के सहारे परिवार चलाने वाली सीता मरावी ने वंदना महिला स्वसहायता समूह से जुड़कर अपने सपनों को नई उड़ान दी और आज वह 'लखपति दीदी' बन गई हैं। स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद सीता मरावी ने बैंक लोन, सीआईएफएवं आरएफकी राशि से 25 हजार रुपये प्राप्त कर अपने गांव में किराना दुकान की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने समूह के संकुल से 50 हजार रुपये की राशि लेकर मुर्गी व्यवसाय भी शुरू किया। दोनों व्यवसायों को मेहनत, लगन और बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ाते हुए आज उनकी वार्षिक आय लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये तक पहुंच गई है। उनकी बढ़ी हुई आमदनी ने न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी दिया। सीता मरावी कहती हैं कि महिला स्वसहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। समूह से मिले आर्थिक सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर दिया। आज वह अपने पैरों पर खड़ी हैं और अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं। सीता मरावी को महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि भी प्राप्त हो चुकी है। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिले सहयोग और स्वयं की मेहनत से उन्होंने आर्थिक सशक्तिकरण की नई कहानी लिखी है। अपने जीवन में आए इस सकारात्मक बदलाव के लिए श्रीमती सीता मरावी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया को आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है।

गौशालाओं के उन्नयन और पशु कल्याण व्यवस्था को सुदृढ़ करने कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

■ सड़कों पर आवारा मवेशियों की रोकथाम के लिए मालिकों का चिन्हांकन कर होगी कार्रवाई

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में जिला पशु कल्याण समिति एवं जिला पशु क्रूरता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में पशुधन संरक्षण, गौशालाओं के बेहतर संचालन, पशु कल्याण तथा पशु क्रूरता की रोकथाम से संबंधित विषयों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिले में संचालित गौशालाओं के उन्नयन के साथ चारा-पानी की पर्याप्त एवं नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर आवारा मवेशियों के बैठे रहने से यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं की संभावना भी बनी रहती है। उन्होंने सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सड़कों से मवेशियों को हटाने तथा उन्हें खुले में छोड़ने वाले पशु मालिकों का चिन्हांकन कर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत नियमानुसार चालानी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सड़कों एवं चौक-चौराहों पर आवश्यकता के अनुरूप रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि आवारा मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। उन्होंने गौधाम संचालन के लिए प्राप्त राशि को गौशालाओं के संचालन के लिए हस्तांतरित करने कहा, जिससे उपलब्ध राशि का उपयोग पशुओं की देखभाल एवं गौशालाओं की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सुनिश्चित हो सके।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पशु कल्याण से जुड़े कार्यों में निरंतर निगरानी रखने तथा पशुओं की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पशुधन विकास विभाग द्वारा 21वीं पशु संगणना के आधार पर जिले में पशुधन की स्थिति की जानकारी दी गई। विभाग के अनुसार जिले में कुल 1 लाख 77 हजार 123 पशुधन हैं, जिनमें 1 लाख 54 हजार 723 गौवंशीय, 22 हजार 400 भैंसवंशीय, 62 हजार 787 भेड़-बकरी तथा 562 सूकर शामिल हैं। जिले में पशु चिकित्सा सेवाओं के तहत 7 पशु चिकित्सालय, 19 पशु औषधालय, 1 मुख्य ग्राम खण्ड एवं 10 मुख्य ग्राम खण्ड इकाइयां संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 1 चलित पशु चिकित्सा इकाई, 1 पशु प्रजनन क्षेत्र तथा 1 बकरी प्रजनन क्षेत्र भी स्थापित है। जिले में वर्तमान में 5 गौशालाएं संचालित हैं।बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री कुमार निशांत, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, अपर कलेक्टर श्री दिलेराम डाहिरे, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. वी.के. पटेल सहित जिला पशु कल्याण समिति एवं जिला पशु क्रूरता समिति के सदस्य उपस्थित थे।

गणेश उत्सव में गणपति पूजा के जरूरी हैं नियम

पंचांग के अनुसार, इस साल गणेश उत्सव 14-24 सितंबर तक चलने वाला है। दस दिनों के गणेश उत्सव के दौरान प्रथम पूज्य गणपति की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि इस दौरान विधि-विधान से गणपति का पूजन करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही भगवान गणेश की कृपा से जीवन की विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं। शास्त्रों के अनुसार भगवान गणेश की पूजा में कुछ बातों का खास ध्यान रखा जाता है।

कब से कब तक है गणेश उत्सव 2026?

धार्मिक मान्यता का अनुसार, गणेश उत्सव की शुरुआत भाद्रपद यानी भादो शुक्ल चतुर्थी तिथि से होती है। जबकि इसका समापन भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी (यानी अनंत चतुर्दशी) के दिन होता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 14 को सुबह 7 बजकर 06 मिनट से हो रही है। वहीं, भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तिथि की समाप्ति 25 सितंबर को रात 11 बजकर 06 मिनट पर होगी।

भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन 25 सितंबर को किया जाएगा। स्थानीय समय के अनुसार, चतुर्दशी तिथि के आरंभ और प्रतिमा विसर्जन के समय में कुछ मिनट का अंतर हो सकता है।

गणेश चतुर्दशी 2026 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, गणेश चतुर्थी के दिन पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 02 मिनट से दोपहर 1 बजकर 31 मिनट तक रहेगा। यानी इस साल गणेश चतुर्थी पर मध्याह्न की पूजा के लिए 2 घंटे 28 मिनट का समय मिलेगा। हालांकि, स्थानीय समय के अनुसार, शुभ मुहूर्त में कुछ मिनटों का अंतर हो सकता है।

मूर्ति से जुड़े नियम

धर्मशास्त्र के अनुसार, गणेश उत्सव के दौरान भगवान गणेश की पूजा के लिए पूजा स्थल पर मिट्टी की मूर्ति की स्थापना सबसे अच्छा माना गया है। इसके अलावा धातु की मूर्ति या तस्वीर लगाकर भी पूजन किया जा सकता है। मिट्टी की मूर्ति या तस्वीर लेते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उसमें गणेश जी की सूंड बाईं ओर हो। शास्त्रों मे गणेश जी की वामावर्ती (बाईं ओर मुड़ा हुआ) सूंड वाली मूर्ति या तस्वीर सबसे शुभ मानी गई है।

कैसा होना चाहिए मूर्ति का स्वरूप?

गणेश उत्सव पर गणेश की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करते वक्त इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि उसमें गणपति का वाहन यानी चूहा और मोदक स्पष्ट रूप से नजर आए। शास्त्रीय नियम के अनुसार बैठी हुई मुद्रा में गणेश की प्रतिमा तस्वीर लगाना शुभ और मंगलकारी है।

किस दिशा में स्थापित करें मूर्ति या तस्वीर?

वास्तु नियम के मुताबिक, गणेश उत्सव के लिए भगवान गणेश की मूर्ति को पूर्व, उत्तर या पूर्व-उत्तर का कोण यानी ईशान में स्थापित करना चाहिए। इसके अलावा पूजन करने वाले का मुंह उत्तर की ओर होना शुभ माना गया है।

हिंदू धर्म में ललही छठ का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में ललही छठ या हल षष्ठी का विशेष महत्व माना जाता है। यह पर्व हर वर्ष भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। इसे अलग-अलग क्षेत्रों में हरछठ, ललई छठ और बलराम जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई और शेषनाग के अवतार माने जाने वाले भगवान बलराम का जन्म हुआ था। उनका प्रमुख अस्त्र हल था, इसलिए इस पर्व का नाम हल षष्ठी पड़ा। हल छठ के दिन माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना से व्रत रखती हैं। कई जगह संतान की इच्छा रखने वाली महिलाएं भी संतान प्राप्ति की कामना से यह व्रत करती हैं। इस दिन खेती और कृषि से जुड़ी चीजों का विशेष महत्व होता है। इस बार हल छठ के दिन तीन शुभ योगों का संयोग भी बन रहा है। इस वर्ष ललई छठ का दिन शुभ योगों के संयोग से खास माना जा रहा है। पंचांग के अनुसार, इस दिन ध्रुव योग का निर्माण होगा, जो सुबह से लेकर रात 9 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। बाद व्याघात योग शुरू होगा, जो पूरी रात तक रहेगा।

पूजा सामग्री : की पूरी लिस्ट भैंस का दूध, दही और घी, भैंस का गोबर, महुआ के फल, फूल और पत्ते, ऐपण, मिट्टी के छोटे कुल्हड़,ज्वार की धानी, मिट्टी की, मटकी, देवली-छेवली,पसही चावल या तालाब में उगा चावल,भुना हुआ चना, घी में भुना हुआ महुआ, धान का लावा,सात प्रकार के अनाज,लाल चंदन ,हल्दी, नया वस्त्र, जनेऊ, कुश, मिट्टी का दीपक।

इस तरह करें ललई छठ की पूजा :
व्रती महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नान करती हैं। परंपरा के अनुसार महुए की दातून से दांत साफ करने के बाद व्रत का संकल्प लिया जाता है।
इसके बाद पूजा स्थल पर भैंस के गोबर से दीवार पर हल छठ माता, हल, सप्तऋषि, पशु और किसान से संबंधित आकृतियां बनाई जाती हैं।
एक चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर कलश स्थापित किया जाता है। इसके साथ भगवान गणेश और माता पार्वती की प्रतिमा भी स्थापित की जाती है।
इसके बाद विधि-विधान से पूजा की जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ में ज्वार की धानी और महुआ रखा जाता है। वहीं मटकी में देवली-छेवली रखी जाती है। सबसे पहले हल छठ माता, फिर कुल्हड़ और उसके बाद मटकी का पूजन किया जाता है।
पूजा में सात प्रकार के अनाज, धूल के साथ भुना हुआ चना, आभूषण और हल्दी से रंगा हुआ वस्त्र अर्पित किया जाता है।
परंपरा के अनुसार भैंस के दूध से बने मक्खन से हवन किया जाता है। इसके बाद हल छठ की कथा सुनी जाती है और भगवान बलराम व भगवान श्रीकृष्ण की आरती की जाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - कल का दिन आपके लिए उत्साह और सक्रियता से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है और आपकी मेहनत पर वरिष्ठों की नजर रहेगी। व्यापार में कोई पुराना संपर्क लाभ दे सकता है। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचें। परिवार में किसी सदस्य के साथ मतभेद हो सकता है। प्रेम जीवन में धैर्य रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए बुधवार का दिन योजनाओं को आगे बढ़ाने वाला रह सकता है। नौकरी में आपके सुझावों को महत्व मिलेगा और किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है। व्यापार में धन लाभ के अवसर बनेंगे। रुका हुआ भुगतान मिलने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता मिलेगी। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

मिथुन राशि - कल बुध ग्रह का प्रभाव आपकी बुद्धि और संवाद क्षमता को मजबूत कर सकता है। नौकरी में बातचीत के माध्यम से किसी समस्या का समाधान निकालने में सफलता मिलेगी। व्यापारियों को नए ग्राहक या संपर्क मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रह सकती है, लेकिन जोखिम भरे निवेश से बचना बेहतर होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में सकारात्मक बातचीत होगी। स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या व्यवस्थित रखना जरूरी है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए दिन मिश्रित परिणाम लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम भी प्राप्त होगा। व्यापार में कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। परिवार में किसी बुजुर्ग का मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा। प्रेम जीवन में भावनात्मक संवेदनशीलता बढ़ सकती है। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की उम्मीद है।

सिंह राशि - कल आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और कामकाज में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे सकते हैं। नौकरी में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में नई योजना पर काम शुरू करने का अच्छा समय रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और पुराने निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार में वातावरण सुखद रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। हालांकि, दूसरों पर अपनी बात थोपने से बचना आपके लिए बेहतर होगा।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए बुधवार का दिन विशेष रूप से उपयोगी रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी योजना और निर्णय क्षमता की सराहना होगी। व्यापार में लाभ के नए रास्ते खुल सकते हैं। किसी पुराने विवाद का समाधान संभव है। धन के मामले में स्थिति संतुलित रहेगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रेम जीवन में भरोसा बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई और प्रतियोगिता से जुड़े कार्यों में सफलता के संकेत हैं।

तुला राशि- कल आपको करियर और कारोबार में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। नौकरी में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में आपकी भूमिका बढ़ सकती है। व्यापार में नए संपर्क भविष्य में लाभ दे सकते हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी मिलेगी। प्रेम जीवन में गलतफहमी दूर होगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों को कल अपने क्रोध और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखना होगा। कार्यक्षेत्र में किसी सहकर्मी से मतभेद हो सकता है, इसलिए शांत रहकर बात करें। व्यापार में बड़े आर्थिक फैसले सोच-समझकर लें। अचानक खर्च सामने आ सकता है। परिवार में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। प्रेम संबंधों में साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। मानसिक तनाव कम करने के लिए आराम और सकारात्मक सोच को प्राथमिकता दें।

धनु राशि- कल का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आ सकता है। नौकरी में किसी नई योजना या प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। व्यापार में विस्तार की योजना बना सकते हैं, लेकिन निवेश से पहले पूरी जानकारी लें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और आय के नए स्रोतों पर विचार हो सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। विद्यार्थियों को किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लाभ पहुंचा सकती है।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए कल रुके हुए काम आगे बढ़ने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और अनुशासन की सराहना होगी। व्यापार में पुराना सौदा लाभ दे सकता है। धन संबंधी कोई लंबित समस्या हल होने की संभावना है। परिवार में शांति रहेगी और किसी सदस्य से महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है। प्रेम जीवन में स्थिरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रखने के लिए काम के साथ आराम को भी महत्व दें।

कुंभ राशि- कल का दिन कुंभ राशि वालों के लिए रचनात्मकता और प्रगति का रहेगा। नौकरी में नए विचारों को लागू करने का अवसर मिल सकता है। व्यापार में तकनीक या नए संपर्क से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नई योजना बना सकते हैं। परिवार में आपका सम्मान बढ़ेगा। प्रेम जीवन में साथी का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए कल का दिन संतुलित रहने वाला है। नौकरी में काम का दबाव रह सकता है, लेकिन आप अपनी समझदारी से परिस्थितियों को संभाल लेंगे। व्यापार में सामान्य लाभ मिलेगा और पुराने ग्राहक से फायदा हो सकता है। आर्थिक मामलों में बचत पर ध्यान दें। परिवार में किसी सदस्य की मदद करनी पड़ सकती है। प्रेम जीवन में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा।

नेत्र ज्योति के लिए करें योगासन

आजकल की डिजिटल लाइफस्टाइल में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी की स्क्रीन के सामने घंटों बिताना हमारी मजबूरी बन चुका है। इसका सीधा असर हमारी आंखों की रोशनी पर पड़ता है। कम उम्र में ही मोटा चश्मा लगना अब एक आम बात हो गई है। हालांकि, सही देखभाल और नियमित योगाभ्यास से आप अपनी आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं और चश्मे के नंबर को बढ़ने से रोक सकते हैं। यहां हम आपको कुछ योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने चश्मे के नंबर को कम कर सकते हैं।

पाल्मिंग

लंबे स्क्रीन टाइम के बाद आंखों को तुरंत राहत देने के लिए यह सबसे बेहतरीन अभ्यास है। इसके लिए शांत बैठें और अपनी दोनों हथेलियों को आपस में तब तक रगड़ें जब तक वे गर्म न हो जाएं। अब अपनी बंद आंखों पर हथेलियों को कटोरी की आकृति बनाकर रखें ताकि रोशनी अंदर न जाए। यह आंखों की थकावट को मिटाता है और वहां ब्लड फ्लो को बेहतर बनाता है।

आई रोटेशन

अपनी गर्दन को बिल्कुल स्थिर रखें। अब केवल आंखों की पुतलियों को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं और फिर क्लॉकवाइज व एंटी-क्लॉकवाइज घुमाएं। यह आंखों की ढीली पड़ चुकी मांसपेशियों को फिर से टोन करता है।

सर्वांगासन

इसके लिए पीठ के बल लेटकर पैरों और कमर को ऊपर की ओर उठाएं, जिससे शरीर का पूरा भार कंधों पर आ जाए। इस आसन से मस्तिष्क और आंखों की तरफ खून का बहाव तेज होता है, जिससे आंखों की नसों को भरपूर पोषण मिलता है।

त्राटक क्रिया

त्राटक आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए सबसे कारगर और प्राचीन तकनीक मानी जाती है। इस योगासन को करने के लिए एक कमरे में मोमबत्ती की लौ या दीवार पर बने एक काले बिंदु को अपनी आंखों के ठीक सामने रखें। बिना पलक झपकाए तब तक उस बिंदु पर ध्यान केंद्रित करें जब तक आंखों से पानी न आने लगे। इसके बाद आंखें बंद कर लें। यह आंखों की एकाग्रता बढ़ाता है, नसों को मजबूती देता है और दृष्टि को तेज करता है।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम

इसे करने के लिए एक नथुने से गहरी सांस लें और दूसरे से छोड़ें। इसे रोजाना 10-15 मिनट करें। इससे शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है, जो आंखों की नसों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट थेरेपी

रेस्पलाइस ऑटिज्म रिसर्च फाउंडेशन के एक संयुक्त उपक्रम रेस्पलाइस रिसर्च इनिशिएटिव ने ठाणे में महाराष्ट्र का पहला फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट (एफएमटी) थेरेपी सेंटर शुरू किया है। एफएमटी में एक स्वस्थ डोनर के मल को ऐसे मरीज की आंत में स्थानांतरित किया जाता है, जिसकी आंत में मौजूद माइक्रोबायोम प्रभावित या असंतुलित हो गया है।हमारी आंत में खरबों सूक्ष्मजीव मौजूद होते हैं, जो पाचन, चयापचय (मेटाबॉलिज्म), प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्यों, संपूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एफएमटी में स्वस्थ डोनर से सावधानीपूर्वक जांचे गए सूक्ष्मजीवों को मरीज की आंत में स्थानांतरित किया जाता है, ताकि आंत के माइक्रोबियल समुदाय को फिर से संतुलित किया जा सके। एफएमटी बार-बार होने वाले क्लोस्ट्रिडियोइड्स डिफिसाइल संक्रमण के चुनिंदा मामलों और अल्सरेटिव कोलाइटिस में एक स्थापित उपचार है। मानवीय आधार पर हम ऑटिज्म, एसएसपीई, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों, कैंसर, मेटाबॉलिक विकारों, मनोरोग संबंधी विकारों और अन्य स्थितियों के लिए भी एफएमटी की पेशकश कर रहे हैं। आज आपका स्वस्थ माइक्रोबायोम किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए उम्मीद और उपचार का माध्यम बन सकता है।स्वस्थ मल चिकित्सकीय निगरानी में किए जाने वाले एफएमटी के लिए एक महत्वपूर्ण जैविक दान हो सकता है। मल दान उन लोगों की मदद करने का एक प्रभावी तरीका है, जिनकी आंत का माइक्रोबायोम गंभीर रूप से प्रभावित हो चुका है। स्टूल डोनर बनने के लिए जरूरी योग्यता यह है कि बच्चा 3 से 12 वर्ष की उम्र का और स्वस्थ हो। बच्चे को कोई पुरानी बीमारी नहीं होनी चाहिए। बच्चे ने पिछले 3 महीनों में कोई एंटीबायोटिक या प्रोबायोटिक न ली हो। रेस्पलाइस रिसर्च फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. चंदशेखर थोडुपुनुरी ने ऑटिज्म और मेटाबोलिक समस्याओं से जूझ रहे उन मरीजों की गट हेल्थ (आंतों की सेहत) को ठीक करने के लिए इस तरीके को अपनाया है, जिन्होंने इलाज के बाकी सभी विकल्प आजमा लिए थे। इस तरह उन्हें एक स्वस्थ और खुशहाल जिंदगी जीने का नया मौका मिला है। एफएमटी सबसे सुरक्षित और असरदार इलाज के तरीकों में से एक है। भारत के उन चुनिंदा अस्पतालों में से एक के रूप में, जहां एफएमटी प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं, आपके बच्चे का स्वस्थ मल भले ही कोई चिकित्सकीय चमत्कार न हो, लेकिन उसमें असाधारण चिकित्सीय संभावनाएं हो सकती हैं। स्टूल डोनेशन के माध्यम से स्वस्थ बच्चे कई बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की मदद कर सकते हैं। बढ़ती मांग और सीमित उपलब्धता को देखते हुए अधिक लोगों और अभिभावकों को आगे आकर समाज की मदद करने तथा चल रहे चिकित्सा अनुसंधान का समर्थन करने की आवश्यकता है। यदि आपका बच्चा स्वस्थ है और स्क्रीनिंग की आवश्यकताओं को पूरा करता है, तो उसका दान किसी की जान बचाने में मदद कर सकता है और साथ ही बच्चे के शरीर द्वारा प्रतिदिन उत्पादित होने वाले मल के लिए उसे आर्थिक प्रोत्साहन भी मिल सकता है।

शास्त्रीय विधि-विधान से करें पूजा-पाठ

श्री संघ के श्रेय, कल्याण, सुख-शांति एवं समृद्धि तथा संपूर्ण विश्व में शांति, सद्भावना और मंगलमय वातावरण की मंगलकामना के पावन संकल्प के साथ श्री चंद्रप्रभ स्वामी जैन देरासरजी ट्रस्ट एवं श्री पार्श्वनाथ-पद्मावती महादेवी पूजन महोत्सव समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में भगवान श्री पार्श्वनाथ-पद्मावती महादेवी महापूजन महोत्सव का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।शास्त्रोक्त विधि-विधान, पवित्र मंत्रोच्चार, भक्तिमय स्तवन एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर इस आयोजन में वातावरण देर तक धर्ममय बना रहा। महापूजन के दौरान भगवान श्री पार्श्वनाथ प्रभु की विधिपूर्वक आराधना तथा माता पद्मावती महादेवी की भक्तिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई।

इस अवसर पर श्रीसंघ के सर्वांगीण कल्याण, सुख-शांति एवं समृद्धि के साथ समस्त मानवजाति के मंगल और विश्वशांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।इस पावन अवसर को विशेष आध्यात्मिक गरिमा प्रदान करते हुए अगारशी तीर्थधाम श्री समवसरण महामंदिर के प्रेरणादाता, लब्धिधारी परम पूज्य आचार्य श्री विजय दक्षसूरीश्वरजी महाराज साहेब के प्रिय पट्टालंकार, लोकप्रिय श्रमण सम्राट, सुप्रसिद्ध प्रवचनकार, ज्योतिषविशारद तथा श्री सूरिमंत्र-पार्श्व-पद्मावती महादेवी के साधक परम पूज्य आचार्य श्री विजय प्रभाकरसूरीश्वरजी महाराज साहेब की पावन निश्रा एवं मंगल आशीर्वाद का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।साथ ही पूज्य मुनिप्रवर श्री महापद्मविजयजी महाराज साहेब, पूज्य मुनिराज श्री श्रीपद्मविजयजी महाराज साहेब एवं पूज्य साध्वीजी श्री तत्त्वदर्शनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा संतवृंद की पावन उपस्थिति ने आयोजन की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक ऊंचाई प्रदान की। संतवृंद के आशीर्वचन एवं पावन सान्निध्य से उपस्थित श्रद्धालुओं में भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक चेतना का विशेष संचार हुआ।महोत्सव के दौरान समाजसेवा एवं धार्मिक क्षेत्र में निरंतर समर्पित सेवाओं के लिए समाज के विशिष्ट सेवाभावी व्यक्तित्वों का सम्मान भी किया गया।इस अवसर पर श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपाध्यक्ष श्री संजयभाई जीवनलाल शाह का विशेष बहुमान किया गया। साथ ही जैन अल्पसेवा संस्था के महिला विभाग की उपाध्यक्ष श्रीमती अल्पाबेन संजय शाह का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर जयेशभाई लब्धी, संजय बिपिनचंद्र शाह, विलासभाई शाह, श्रेणिकभाई शाह, शिल्पा लब्धी एवं श्रीमती अल्पाबेन संजय शाह सहित समाज के अनेक अग्रणीजन, श्रावक-श्राविकाएं एवं भाविक भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में भगवान श्री पार्श्वनाथ प्रभु की भक्ति, माता पद्मावती महादेवी की आराधना तथा "सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः" की सार्वभौम मंगलभावना के साथ यह भव्य महापूजन महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

फार्मासिस्ट गायब : डॉक्टरों की पर्ची पढ 12वीं पास दे रहे मेडिसिन, कई मेडिकलों में बिना पर्ची के बेच रहे दवा

जिले में 350 से अधिक दुकानें, जांच हुई तो कार्रवाई की जद में आएंगे कई दुकानदार

राजनांदगांव। मेडिकलों से फार्मासिस्ट गायब है, उनकी डिग्री सिर्फ दीवारों पर लटकी है। दुकानों में काम करने वाले युवक 10वीं-12वीं पास है, जो डॉक्टरों की पर्ची देखकर दवा दे रहे है। दूसरी तरफ कई मेडिकलों में तो मरीजों की तकलीफ पूछकर यही युवक दवा भी थमा रहे हैं। दोनों ही काम नियमों के खिलाफऔर जान से खिलवाड़ वाला है। जिन्हें जानकारी या अनुभव ही नहीं, वह दवाओं का बिक्री काउंटर पर सीधे कर रहे हैं। ऐसे मेडिकल संचालकों पर ड्रग डिपार्टमेंट को कार्रवाई करनी चाहिए, जो नहीं की जा रही है। शहर और ग्रामीण एरिया में कई ऐसे मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे है, जहां फार्मासिस्ट ही नहीं है। केवल उनके सर्टिफिकेट का उपयोग कर गैर-डिग्रीधारी मरीजों को दवाएं दे रहे हैं। नियमों के मुताबिक डॉक्टर की पर्ची को देखकर दवा देने के लिए केवल फार्मासिस्ट ही बाध्य है, लेकिन इन नियमों को दरकिनार कर मरीजों को सीधे दुकानदार दवा दे रहे हैं। इस पर नकेल कसने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात यह है कि फार्मासिस्ट भी अपने प्रमाण पत्रों को किराए पर देने का काम कर रहे हैं, ऐसे में फार्मासिस्ट भी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

जिले में 350 से अधिक दुकानें संचालित

ड्रग विभाग के अनुसार जिले की बात करें तो तकरीबन 350 मेडिकल स्टोर्स है। इसके अलावा मोहला-मानपुर और खैरागढ़ जिले को इसमें जोड़ दिया जाए तो यह संख्या लगभग 650 के करीब है। शहर के अलावा ग्रामीण इलाकों में इसी पैटर्न पर मेडिकल स्टोर्स का संचालन किया जा रहा है। जिसमें फार्मासिस्ट की डिग्री किराए पर लेकर दुकानें ऑपरेट की जा रही है।

इस फंडे पर चल रहा फार्मासिसट का काम, नकेल जरूरी

कुछ फार्मासिस्ट से बात की गई, जिन्होंने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि वे कोर्स तो कर चुके हैं, लेकिन नौकरी नहीं मिल पाई। इतनी पूंजी भी नहीं की, मेडिकल खोल ले और इतनी प्रतिस्पर्धा के बीच बाजार में टिक सके। इस कारण वे अपने सर्टिफिकेट 12 से 15 हजार रुपए सालाना में दे देते हैं और खुद दूसरी जगह नौकरी कर रहे हैं।

हाईकोर्ट के निर्देश का भी नहीं हो रहा पालन

दवाओं की बिक्री को लेकर हाईकोर्ट का सख्त निर्देश है कि डॉक्टरों के द्वारा लिखी गई पर्चियों की दवाओं को फार्मासिस्ट के द्वारा ही दिया जाना है। इसके बाद भी ड्रग डिपार्टमेंट इस पर सख्ती क्यों नहीं बरत रहा, यह बड़ा सवाल है। इस पर विभागीय अधिकारियों को एक्शन लेना चाहिए, जिसपर उनकी चुप्पी बनी हुई है। इस कारण विभागीय कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में हैं।

पुलिसिया दबिश ढीली पड़ी तो मनगटा मे फिर शुरू पार्टियों का दौर, रिसोर्ट में संदिग्ध जोड़ों की आवाजाही

हर थोड़े दिनों में पुलिस दे रही थी रिसोर्टस भी दबिश लेकिन अब ढिलाई मिली तो अवैध कारोबार शुरू

राजनांदगांव। शहर से लगे मनगटा में पिछले दिनों हुई पुलिसिया कार्रवाई का असर खत्म हो गया है। अब फिर से देर शाम से रात तक पार्टियों का दौर शुरू हो गया है, बाकायदा रिसोर्ट में शराब परोसी जा रही है। आखिर पुलिस कार्रवाई का भय रिसोर्ट संचालकों से कैसे दूर हो गया कि दोबारा मनगटा अय्याशी का अड्डा बनाना शुरू हो गया है। पड़ोसी शहर और जिलों से युवाओं की आवाजाही और बेफिक्र पार्टियां शुरू हो गई है। जबकि पुलिस ने यहां के रिसोर्ट संचालकों को बाकायदा मीटिंग लेकर समझाइश दी थी, उसका भी असर अब दिखाई नहीं दे रहा है। पिछले छह महीनों पर नजर डाली जाए तो कई बार पुलिस के आला अफसरों ने पूरी टीम के साथ दबिश देकर दर्जनभर से अधिक रिसोर्टस पर दबिश देकर कार्रवाई की। यहां दुर्ग-भिलाई और राजनांदगांव के युवाओं का समूह शराब पार्टी करते मिला, उन पर भी कारवाई की गई, साथ ही संचालकों पर भी मामला कायम किया गया। ऐसा कई बार किया गया, इसी का नतीजा रहा है कि एक हद तक ऐसे कारनामों पर नकेल भी कसी। लेकिन अब दोबारा रिसोर्ट संचालकों के हौसले बुलंद हो गए है, वहीं दो महीने पहले मनगटा के रिसोर्ट में भिलाई की युवती का रेप भी हुआ था।

पूर्व माध्यमिक शाला सांकरा में जोन स्तरीय पठन वीर प्रतियोगिता का आयोजन, शामिल हुए युवा सरपंच रवि सिंगौर

अमलेश्वर। विकास खंड पाटन अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सांकरा में जोन स्तरीय पठन वीर प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता में जोन अंतर्गत 8 संकुलों से 10-10 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता का आयोजन पाँच विधाओं में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणाम में स्पीड रीडिंग में प्रथम साक्षी जैन एवं द्वितीय रूबी देवांगन, स्टोरी टेलिंग में प्रथम झरना साहू एवं द्वितीय धारणी साहू, स्पीड कैलकुलेट में प्रथम खेम साहू एवं द्वितीय सेविका निषाद, मैथ्स मैजिक में प्रथम रेशमी एवं द्वितीय जीतू खरे तथा सामान्य ज्ञान में प्रथम रिधि ठाकुर एवं द्वितीय हितेश्वरी यादव रहे। कार्यक्रम में युवा सरपंच रवि सिंगौर शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों में पठन क्षमता, त्वरित गणना, सामान्य ज्ञान, आत्मविश्वास एवं रचनात्मक प्रतिभा का विकास होता है। उन्होंने सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के जोन प्रभारी सुशील सूर्यवंशी एवं महेंद्र कुमार बहादुर रहे। उनके मार्गदर्शन में प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य आर.के. चौरे, शाला विकास समिति अध्यक्ष तुलाराम सिंगौर, कामता सिंगौर सहित अन्य शिक्षकगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

आप जो भी अनुष्ठान करें उसके प्रति सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए : समयप्रभ सागर

इंद्रियों का पोषण नहीं, शोषण करना सीखे

राजनांदगांव। खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर के सुशिष्य समयप्रभ सागर ने कहा कि आप जिस भी अनुष्ठान को करते हैं उसके प्रति आपकी पूरी और सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए। आप तप तो करते हैं, लेकिन आपका ध्यान पारणा की ओर होता है, इससे हमारे तप का समुचित लाभ हमें नहीं मिल पाता। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्रीसमयप्रभ सागर ने कहा कि हम कोई भी जप-तप करें, उसे पूरी निष्ठा से करें।

उन्होंने कहा कि हम इन्द्रियों का पोषण ना कर, उनका शोषण करना सीखे। इंद्रियों के प्रति आसक्ति ही हमें अपने मार्ग से भटकाती है।मुनि श्री समयप्रभ ने कहा कि हमें व्यवहार में जीना होता है और व्यवहार के द्वारा ही हम लोगों को संदेश दे सकते हैं। तप का लाभ तभी मिल सकता है, जब हम इंद्रियों का शोषण करें। उन्होंने कहा कि हम इंद्रियों के शोषण की जगह पोषण करने लग जाते हैं। तप करते हैं लेकिन हमारा ध्यान पारणा की ओर रहता है। यही वजह है कि हमें अपने तप का समुचित लाभ नहीं मिल पाता। मुनि श्री ने कहा कि भोजन का संस्कार तो हमें जन्मों से मिला हुआ है। समझदार व्यक्ति इंद्रियों के प्रति आसक्ति से बचते हैं। आप अपने तप पर आस्था रखें। आस्था ही अपने आप पर नियंत्रण रखता है। उन्होंने कहा कि जागृत बनो और परमात्मा की वाणी का चिंतन करो तब आप निश्चित ही अपने लक्ष्य में सफल होंगे।

खेल अनुशासन, ईमानदारी और लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है : सांसद बघेल

बेमेतरा। जिले में पहली बार आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2026 (भारोत्तोलन बालक/बालिका 17 एवं 19 वर्ष) का आज पंडित जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, बेमेतरा प्रांगण में विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर सांसद बघेल ने खेल ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में साजा विधायक ईश्वर साहू एवं अनेक जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद विजय बघेल एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने पॉवर लिफ्टिंग उठाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि खेल अनुशासन, ईमानदारी और लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताएं ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरी खेल भावना और ईमानदारी के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि खेल में हार से निराश या हताश नहीं होना चाहिए। हार को सीख के रूप में लेकर उत्साह, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिले को पहली बार राज्य स्तरीय शालेय भारोत्तोलन प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। प्रतियोगिता में सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग संभाग से लगभग 160 बालक-बालिका खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। प्रतियोगिता 31 अगस्त से 3 सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी भारोत्तोलन में अपनी प्रतिभा और ताकत का प्रदर्शन करेंगे। उद्घाटन समारोह में सिंघोरी विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक स्थानीय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित अतिथियों एवं खिलाड़ियों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मती हेमा जय दिवाकर, तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, छत्तीसगढ़ राज्य गौ-सेवा आयोग के उपाध्यक्ष स्वामी राजीव लोचन दास, छत्तीसगढ़ रजकाकार बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, जिला पंचायत सीईओ सु प्रेमलता पद्माकर, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, खेल प्रशिक्षक, विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों के लिए

ग्रीन फार्म हाउस में एसी, पंप और कई सामान चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

राजनांदगांव। सोमनी थाना क्षेत्र के सेड्स ऑफग्रीन फार्म में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को अरेस्ट किया है। आरोपियों के पास से चोरी किया हुआ सामान व वारदात में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर लिया गया है, जिसकी कीमत तकरीबन 10 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपियों के खिलाफ धारा 305(ए), 331(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 20 अगस्त की राम 11 बजे से 21 अगस्त सुबह 07:30 बजे के मध्य ग्राम देवादा स्थित सेड्स ऑफ ग्रीन फार्म हाउस के मुख्य गेट का ताला तोड़कर अज्ञात आरोपियों द्वारा 10 नग ए.सी. आउटडोर, 03 नग सबमर्सिबल पंप, 01 नग वाटर पंप, एचपी पंप, एचटीपी पंप, सीसीटीवी कैमरे एवं ब्लूटूथ साउंड बॉक्स सहित कुल 56,500 रुपए कीमत का सामान चोरी कर लिया गया था। संयुक्त टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों से प्राप्त जानकारी, तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेहियों की लगातार निगरानी एवं पतासाजी की गई। इसी दौरान संदेही ग्राम धीरी निवासी विजय सोनवानी पिता अलखराम सोनवानी और ग्राम खल्लारी बालोद नागेश्वर प्रसाद साहू पिता स्व. रोहित राम साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 08 नग वोल्टास कंपनी के ए.सी. आउटडोर, 01 नग गोदरेज कंपनी का ए.सी., 01 नग किसान क्राप कंपनी का एचटीपी पंप तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त वाहन क्रमांक CG 07 CK 3327 जब्त किया गया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में श्रमजीवी पत्रकार संघ की पहल, झीट धान खरीदी केंद्र में किया वृक्षारोपण

अमलेश्वर। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई दुर्ग के निर्देशानुसार श्रमजीवी पत्रकार संघ अमलेश्वर ब्लॉक इकाई के तत्वावधान में झीट स्थित धान खरीदी केंद्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) पाटन उत्तम ध्रुव रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसीलदार पाटन पवन सिंह ठाकुर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक परसराम साहू एवं विशेष अतिथियों में छत्तीसगढ़ पर्यावरण मित्र समिति के अध्यक्ष डॉ. अश्वनी साहू, ग्राम पंचायत सरपंच रूपेंद्र राजू साहू तथा प्राधिकृत अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने वृक्षारोपण को पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया यह कदम सराहनीय रहा। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकार साथियों की सहभागिता ने आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में सेवा सहकारी समिति मर्यादित झीट के समिति प्रबंधक पुरुषोतम सिन्हा एवं समस्त कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर ललित साहू जिला अध्यक्ष दुर्ग, वरिष्ठ पत्रकार विक्रम सिंह ठाकुर, शैलेन्द्र साहू दुर्ग शहर अध्यक्ष, अनिल साहू जिला उपाध्यक्ष, विनोद चौबे ब्लॉक अध्यक्ष भिलाई, ऐश्वर्या नवरात्री जिला उपाध्यक्ष, अजय यादव ब्लॉक अध्यक्ष कुम्हारी, भूषण देशलहरे ब्लॉक अध्यक्ष पाटन, करन साहू ब्लॉक अध्यक्ष अमलेश्वर, राकेश सोनकर, धुवकुमार नायक, शैलेन्द्र साहू, नारायण वर्मा, महेंद्र निषाद, प्रीतम चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

बेमेतरा जिले के सात शिक्षक शिक्षिकाओं को मिला 'आचार्य शिरोमणि सम्मान 2026

बेमेतरा। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार एवं विद्यालय हित, बच्चों के हित में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिले के सात शिक्षक शिक्षिकाओं को शंकुतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिष्ठित 'आचार्य शिरोमणि सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया है। सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं में गायत्री जोगी, प्रधान पाठक राखी, लेखा रजक सहायक शिक्षक सुवरतला, गिरिजा पटेल प्रधान पाठक कन्या देवकर, अंबालिका पटेल, प्रधान पाठक साल्हेपुर, प्रतीक जैन शिक्षिका रानो, पवन देवांगन प्रधान पाठक सोमई कला तथा धनेश रजक प्रधान पाठक धोबी खपरी शामिल हैं।इन सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने अपने विद्यालयों में बच्चों की शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों, नवाचार एवं विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर उत्कृष्ट कार्य किया है।सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का कार्य उत्कृष्ट और बेहतरीन है। इनके द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेलकूद एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सभी सम्मानित शिक्षक शिक्षिकाएं जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए विद्यालय एवं विद्यार्थियों के हित में नए प्रयासों के लिए जाने जाते हैं। इससे पूर्व भी वे विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रदान किए गए अनेक पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं। 'आचार्य शिरोमणि सम्मान 2026' मिलना बेमेतरा जिले के शिक्षा जगत के लिए गौरव की बात है। इस सम्मान से जिले के अन्य शिक्षकों को भी शिक्षा में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय ने ली भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय का आज भाजपा जिला कार्यालय बेमेतरा पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू ने आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय ने जिला कार्यसमिति एवं संगठन के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की और आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष अजय साहू ने प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय को बेमेतरा जिले की भौगोलिक एवं राजनीतिक स्थिति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों, संगठनात्मक संरचना, कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा क्षेत्र की राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत कराया। प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय ने बैठक में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता एवं मजबूत बूथ संगठन हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने तथा नियमित रूप से संगठनात्मक बैठकों के आयोजन पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। बैठक में जिला से लेकर मंडल एवं बूथ स्तर तक संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की गई। आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं अभियानों की तैयारियों, कार्यकर्ताओं को दायित्वों के प्रभावी निर्वहन तथा आपसी समन्वय के साथ पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। पवन साय ने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने दायित्वों का गंभीरता और सक्रियता के साथ निर्वहन करे तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करे। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से सतत संवाद एवं संपर्क स्थापित कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ समितियों की सक्रियता, मंडल स्तर पर नियमित बैठकों एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश संगठन मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही जिला प्रभारी हर्षिता पांडेय प्रहलाद रजक अवधेश चंदेल लाभ चंद बाफना ईश्वर साहू दीपेश साहू ओम प्रकाश जोशी राजेंद्र शर्मा पोषण वर्मा अंजय बघेल प्रणीश रजक हर्ष तिवारी राजेश जैन महेश साहू युवराज ठाकुर केशव साहू धर्मेंद्र साहू कल्पना योगेश तिवारी प्रज्ञा निर्वाणी एवं अनेक भाजपा जिला संगठन के पदाधिकारी एवं जिला कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com